শর্মা হার্ডওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 13 | अंक : 31 | गुवाहाटी | मंगलवार, 1 सितंबर, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारतीय अर्थव्यवस्था की शानदार छलांग 7.8 प्रतिशत ग्रोथ रेट ने ... पेज 2
मंत्री कौशिक राय ने की उचित मूल्य डीलरों की समस्याओं की समीक्षा पेज 3
जयपुर निगम चुनाव में भाजपा का सोशल इंजीनियरिंग कार्ड पेज 5
यूएस ओपन : जोकोविच पहले दौर में बाहर, नावेने ने पांच सेट के रोमांचक मुकाबले... पेज 7

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

स्वाभिमानी व्यक्ति प्रतिकूल विचारों को सम्मुख रखकर दुबारा उन पर विचार करें।

– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

नेपाल बाढ़ : कृषि विकास बैंक की शाखा से 1.5 करोड़ नकद और 50 करोड़ रुपए का सोना बरामद

काठमांडू (हि.स.)। भोटेकोशी नदी की बाढ़ में डूबी नुवाकोट के त्रिशूली स्थित कृषि विकास बैंक की शाखा से नकदी, सोना-चांदी सहित अन्य कीमती धातुएं सुरक्षित बरामद की गई हैं। पुलिस के अनुसार, 10 भाद्र को आई बाढ़ में डूबी -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य की जेलों में 200 से ज्यादा कैदी मिले एचआईवी पॉजिटिव, एक्शन में सरकार

गुवाहाटी। असम में जेल के कैदियों के बीच एचआईवी-पॉजिटिव मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी की खबरों के बीच मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार जेल के कैदियों में सामने आए एचआईवी मामले की जांच करेगी और उन हालात का पता लगाएगी जिनमें उस व्यक्ति को संक्रमण हुआ। एक रिपोर्ट के मुताबिक, चार महीनों में असम की 31 जेलों में 226 कैदी एचआईवी-पॉजिटिव पाए गए हैं। सीएम शर्मा से असम की जेलों में बंद कैदियों में एचआईवी-पॉजिटिव मामलों की रिपोर्ट के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मुझे यह भी जानकारी मिली है कि एक व्यक्ति की पहचान एचआईवी-पॉजिटिव के तौर पर हुई है। हमने इस मामले को गंभीरता से लिया है और मेरा मानना है कि गौहाटी हाई कोर्ट भी इस मामले को देख रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले की विस्तार से जांच करेगी ताकि यह पता लगाया जा सके कि जेल में रहते हुए वह व्यक्ति कैसे संक्रमित हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम इस मामले की विस्तार से जांच करेंगे ताकि यह पता चल सके कि जेल में रहते हुए वह व्यक्ति कैसे और किन हालात में संक्रमित हुआ। साथ ही यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रभावित व्यक्ति को जरूरी मेडिकल देखभाल और इलाज मिले। सरकार का यह जवाब असम की जेलों में कैदियों के बीच एचआईवी संक्रमण की खबरों और कैदियों की जांच व मेडिकल देखभाल पर उठ रहे सवालों के बीच आया है। पिछले हफ्ते श्रीभूमि जिला जेल में एचआईवी-पॉजिटिव कैदियों की संख्या बढ़ गई। श्रीभूमि जिला जेल में बंद 11 कैदी एचआईवी संक्रमित पाए गए हैं। संक्रमित लोगों में से एक महिला कैदी बताई जा रही है। श्रीभूमि जिला जेल में एचआईवी के मामले मिलने से पूरे जिले में चिंता फैल गई है। जेल अधिकारियों के अनुसार, अभी जेल में 445 कैदी हैं। इनमें से 11 कैदी एचआईवी-पॉजिटिव पाए गए हैं। जेल अधिकारियों ने बताया कि पॉजिटिव पाए गए ज्यादातर कैदी एनडीपीएस मामलों से जुड़े हैं। एड्स कंट्रोल कमिटी के सदस्य एचआईवी-पॉजिटिव कैदियों को मेडिकल इलाज और जरूरी काउंसलिंग देने के लिए नियमित रूप से जेल का दौरा करते हैं। जेल की इंचार्ज मजिस्ट्रेट अन्वेषा खेरशा ने पत्रकारों को बताया कि जरूरत पड़ने पर एचआईवी-पॉजिटिव विचाराधीन कैदियों को बेहतर इलाज के लिए सिलचर मेडिकल कॉलेज भेजा जाता है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, राज्य भर की 31 जेलों में कैदियों की एचआईवी स्क्रीनिंग की गई। एचआईवी-पॉजिटिव 202 कैदियों को एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) दी जा रही है, जबकि कुल पॉजिटिव कैदियों की संख्या 226 है। सुरक्षा कारणों से कुछ कैदियों को एआरटी सेंटरों तक ले जाना मुश्किल हो गया है, इसलिए टीमें इलाज और उससे जुड़ी सेवाएं देने के लिए जेलों का दौरा कर रही हैं। इससे पहले असम के स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल ने कहा था कि असम में लगभग 33,000 सक्रिय एचआईवी/एड्स मरीज हैं।

एससीओ बैठक में ईरान ने पीएम मोदी से मांगी मदद, कहा-

भारत ही करा सकता इस युद्ध का अंत

विश्केक। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान की अहम द्विपक्षीय मुलाकात हुई। इस बैठक में भारत-ईरान संबंधों, क्षेत्रीय शांति और सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि ईरानी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी से अपने अंतर्राष्ट्रीय संपर्कों और भारत के प्रभाव का इस्तेमाल कर युद्ध और रक्तपात को समाप्त करने में मदद करने की अपील की। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने भारत को क्षेत्र और दुनिया में एक महत्वपूर्ण शक्ति बताते हुए कहा कि नई दिल्ली विभिन्न देशों के साथ अपने व्यापक संबंधों का उपयोग कर संघर्षरत पक्षों को युद्ध के रास्ते से हटाकर बातचीत और समझौते की ओर वापस ला सकती है। ईरान की ओर से जारी जानकारी के -शेष पृष्ठ दो पर

नेपाल से बहकर कुशीनगर आ रहे शव अब तक 13 बरामद

कुशीनगर (हि.स.)। नेपाल में आई भीषण बाढ़ की तबाही का असर उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में भी दिखाई दे रहा है। नेपाल से निकलने वाली नारायणी नदी (भारत में गंडक नदी) कुशीनगर में इन दिनों उफान पर है। नदी की तेज धारा में नेपाल से बहकर मानव शव कुशीनगर में गंडक नदी तक पहुंच रहे हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में मृत पशु और अन्य सामान भी नदी में बहकर आ रहे हैं। जिला प्रशासन के -शेष पृष्ठ दो पर

सड़कों के खराब रखरखाव के लिए एनएचएआई जिम्मेदार : सीएम

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी में सोनापुर स्थित खेत्री के पास नेशनल हाईवे-27 पर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए। इस हादसे के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के खराब रखरखाव और लापरवाही को हादसे की मुख्य वजह बताया है। यह हादसा रविवार रात उस समय हुआ, जब नगांव से गुवाहटी जा रही 26 -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

भारतीय अर्थव्यवस्था की शानदार छलांग 7.8 प्रतिशत ग्रोथ रेट ने विशेषज्ञों को चौंकाया

नई दिल्ली। अप्रैल-जून तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था उम्मीद से ज्यादा तेजी से बढ़ी। इससे ईरान युद्ध के कारण विकास दर में भारी गिरावट की आशंका कम हुई और एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की मजबूती भी साबित हुई। सोमवार को सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आंकड़ों से पता चला कि अप्रैल में शुरू हुए वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में पिछले साल के मुकाबले 7.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह ब्लूमबर्ग के अर्थशास्त्रियों के सर्वे में लगाए गए 7.3 प्रतिशत के अनुमान से ज्यादा था, लेकिन पिछली तिमाही में हुई 7.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बराबर है। भारतीय रिजर्व बैंक ने अप्रैल-जून तिमाही के लिए 7 प्रतिशत की ग्रोथ का अनुमान लगाया था और उसे उम्मीद है कि इस वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था 6.7 प्रतिशत बढ़ेगी। बेहतर प्रदर्शन से ग्लोबल निवेशकों के सामने सरकार की हालिया बात को और बल मिलता है कि भारत बाहरी झटकों का सामना कर सकता है। यह दक्षिण एशियाई देश होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से खास तौर पर प्रभावित हो सकता है, जो तेल की सप्लाई के लिए एक अहम रास्ता है; यह देश अपना लगभग 90 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है, लेकिन इसकी रफ्तार उस 9.25 प्रतिशत सालाना ग्रोथ से कम है, जिसे सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित देश बनने के लक्ष्य को पाने के लिए जरूरी मानती है। तेज ग्रोथ से ब्याज दरों को लेकर हालात मुश्किल हो सकते हैं। आरबीआई ने अगस्त में अपनी बेंचमार्क दर को 5.25 प्रतिशत पर ही बनाए रखा, हालांकि पॉलिसी बनाने वालों ने संकेत दिया है कि अगर महंगाई का दबाव बढ़ता है, तो इस साल के आखिर में दरों में बढ़ोतरी की जरूरत पड़ सकती है।

तमिलनाडु में आज से बढ़ेंगे दूध के दाम

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने राज्य के पशुपालकों को बड़ी राहत देते हुए दूध की खरीद कीमत में एक बार फिर 6 रुपए की बढ़ोतरी कर इसे 44 प्रति लीटर करने की घोषणा की है। तमिलनाडु विधानसभा में नियम 110 के तहत की गई इस स्वत: संज्ञान घोषणा का मुख्य उद्देश्य चारे और उत्पादन लागत में हो रही बढ़ोतरी के बीच दुग्ध उत्पादकों को संबल प्रदान करना है। महज 12 दिनों के भीतर सरकार द्वारा की गई यह दूसरी बढ़ोतरी है।

निराशावादी गलत साबित हुए और भारत एक बार फिर फला-फूला : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को देश की पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़ों को उत्साहवर्धक बताते हुए इसका श्रेय देश की सामूहिक शक्ति को दिया है। साथ ही उन्होंने देश की प्रगति पर संशय करने वालों पर निशाना साधा है और कहा कि निराशावादी गलत साबित हुए और भारत एक बार फिर फला-फूला। प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा कि तेल की कीमतों में आए झटकों, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के लिए 7.8 प्रतिशत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि एक बड़ी उपलब्धि है।

असम में डेयरी क्षेत्र की सीएम ने की समीक्षा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को राज्य के डेयरी क्षेत्र की समीक्षा की और दूध उत्पादन बढ़ाने, डेयरी सहकारी समितियों के नेटवर्क का विस्तार करने तथा दूध प्रसंस्करण क्षमता को मजबूत करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। बैठक में राज्य में दूध की उपलब्धता, उत्पादन और मांग के साथ-साथ जिलावार दूध उत्पादन आधार की समीक्षा की गई। डेयरी सहकारी समितियों की स्थिति, पंजीकृत और संगठित समितियों के बीच अंतर तथा पांच रुपए की सब्सिडी योजना के क्रियान्वयन पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि असम में वर्तमान में प्रतिदिन 33.53 लाख लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है, जबकि वार्षिक दूध उत्पादन 12,240 लाख लीटर है। राज्य में कुल 2,006 संगठित डेयरी सहकारी समितियां हैं, जिनमें से 1,032 पंजीकृत हैं। मौजूदा दूध प्रसंस्करण क्षमता 4.95 लाख लीटर प्रतिदिन है, जबकि अतिरिक्त 4.20 लाख लीटर प्रतिदिन की प्रसंस्करण क्षमता विकसित की जा रही है। नई प्रसंस्करण परियोजनाएं बजाली, जोरहाट के कालीपानी, डिब्रूगढ़ के लाहोवाल, धेमाजी के रंगाजान गांव, शोणितपुर के जामुगुड़ीहाट और कामरूप के रानी में स्थापित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने डेयरी क्षेत्र के लिए पांच वर्षीय रोडमैप तैयार करने पर जोर देते हुए पशुपालन, सहकारिता विभाग, दूध प्रसंस्करण कंपनियों और डेयरी किसानों की भागीदारी से एक दिवसीय विचार-मंथन सत्र आयोजित करने का निर्देश दिया। इसमें सब्सिडी व्यवस्था में सुधार, अधिक दूध उत्पादन वाले क्षेत्रों की पहचान, पारंपरिक दुग्ध उत्पादन केंद्रों को बढ़ावा देने तथा दूध संग्रहण और प्रसंस्करण के लिए हब-एंड-स्पोक मॉडल की संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी। डॉ. शर्मा ने डेयरी विकास निदेशालय में रिक्त पदों को प्रत्यक्ष भर्ती और पदोन्नति के माध्यम से तत्काल भरने तथा राज्य में व्यापक पशुधन सर्वेक्षण कराने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने लखीमी नस्ल के संरक्षण और संवर्धन पर विशेष जोर देते हुए इसके लिए महिला नेतृत्व वाली डेयरी सहकारी समितियों को बढ़ावा देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने के लिए महिलाओं की अधिक भागीदारी, व्यापक सहकारी नेटवर्क, बेहतर दूध संग्रहण और मजबूत प्रसंस्करण बुनियादी ढांचा आवश्यक है।

नीट प्रोटेस्ट : प्रदर्शनकारियों पर दर्ज एफआईआर रद्द कराने एससी पहुंची केंद्र सरकार, आज सुनवाई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक अर्जी दायर की है। इसमें दिल्ली और दूसरे राज्यों में नीट पेपर लीक के विरोध-प्रदर्शनों के दौरान हुई कथित हिंसा के सिलसिले में पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की गई है। खबरों के मुताबिक, भारत के सॉलिसिटर जनरल (एसजीआई) तुषार मेहता ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने यह अर्जी रखी और इस मामले में कोर्ट से दखल देने की मांग की। केंद्र सरकार चाहती है कि सुप्रीम कोर्ट संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल करके प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करे और पूरा न्याय सुनिश्चित करे। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर मंगलवार (1 सितंबर) को सुनवाई करेगा। इससे पहले दिन में, सुप्रीम कोर्ट ने 5 सितंबर को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रस्तावित मार्च पर रोक लगाने या इस बारे में कोई निर्देश जारी करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है और उम्मीद जताई कि जरूरत पड़ने पर अधिकारी जरूरी कदम उठाएंगे। ये बातें सीजेआई कांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहीं। बेंच ने कहा कि उसके पास यह मानने का कोई ठोस कारण नहीं है कि प्रस्तावित मार्च के दौरान कोई अप्रिय स्थिति पैदा होगी। हालांकि, कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर कुछ गंभीर होता है, तो याचिकाकर्ता तुरंत कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकता है।

मणिपुर में नहीं थम रही हिंसा : कुकी गांव पर उग्रवादियों के हमले में दो ग्रामीणों की मौत, कई घायल

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में सोमवार को संदिग्ध उग्रवादियों के हमले में दो ग्रामीणों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। हालांकि, कुकी आदिवासियों के एक प्रमुख संगठन का दावा है कि कथित तौर पर तीन निर्दोष ग्रामीणों (जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं) की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि चार अन्य को गोली लगी और वे गंभीर रूप से घायल हैं। इंफाल में एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पहाड़ी कांगपोकपी जिले में कुकी समुदाय के गांव *एन. तेइखांग* में संदिग्ध उग्रवादी समूह के हथियारबंद लोगों ने अत्याधुनिक हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। हमले के दौरान कई घरों में आग भी लगा दी गई। अधिकारी ने बताया कि भारी गोलीबारी के कारण महिलाओं और बच्चों सहित कई ग्रामीणों को अपने घर छोड़कर पास के जंगलों में शरण लेनी पड़ी। मणिपुर पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की सुरक्षा टुकड़ियां इलाके में पहुंच गई हैं और स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। यह हमला उस घटना के कुछ दिनों बाद हुआ है जब संदिग्ध उग्रवादियों ने जिले में एक वाहन पर घात लगाकर हमला किया था, जिसमें चार नागा नागरिकों की मौत हो गई थी और एक अन्य घायल हो गया था। इस साल फरवरी में राज्य में नागा और कुकी समुदायों के बीच हिंसा शुरू होने के बाद से गोलीबारी की अलग-अलग घटनाओं में दोनों समुदायों के 20 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और कई घर जला दिए गए हैं। ट्विलांग एरिया कुकी सीएसओ वर्किंग कमिटी ने उस घटना की कड़ी निंदा की है जिसे उन्होंने एनएससीएन-आईएम के हथियारबंद कैडरों और उनके कथित प्रॉक्सी फोर्स (जेलियांगग्रोंग यूनाइटेड फ्रंट - कामसन/कैंसन गुट) द्वारा तेइखांग गांव के बेगुनाह निवासियों पर बिना किसी उकसावे के किया गया बर्बर हमला बताया है। कुकी आदिवासी संगठन ने एक बयान में दावा किया कि अलगाववादी एनएससीएन-आईएम के लगभग 50 भारी हथियारों से लैस कैडरों ने गांव पर हमला किया, आम नागरिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की और कई घरों में आग लगा दी। बयान में कहा गया कि खबरों के अनुसार, दो महिलाओं समेत तीन बेगुनाह ग्रामीणों की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि एक महिला समेत चार अन्य लोग गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। बयान के अनुसार, मारे गए लोगों की पहचान टिंगनेइचिन ल्होवम (40), होइनेइनेंग ल्होजेम (21) और लामतिनथांग ल्होजेम (36) के तौर पर हुई है। गंभीर रूप से घायल ग्रामीणों की पहचान नेमनेइचोंग ल्होजेम (50), सेलुन ल्होजेम (70), डेलहिंग हाओकिप (55) और कामतिनसेई चोंगलोई (38) के तौर पर हुई है। आदिवासी संगठन ने हमले की कड़ी निंदा की और आरोप लगाया कि बिना किसी उकसावे के बेगुनाह नागरिकों को निशाना बनाया गया, जिससे कुकी-बहुल गांव के निवासियों में दहशत फैल गई।

काकचिंग में एनआरसी के विरोध में मशाल जुलूस के दौरान हिंसक झड़प, पुलिस ने दागे आंसू गैस

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के काकचिंग जिले में रविवार रात प्रस्तावित जनगणना के विरोध में निकाले गए बड़े मशाल जुलूस के दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। घटना में कुछ प्रदर्शनकारियों को मामूली चोटें आई हैं। वाबगई, हियांगलम और आसपास के इलाकों से सैकड़ों ग्रामीण करीब तीन किलोमीटर लंबी मशाल रैली में शामिल हुए। प्रदर्शनकारी *नो एनआरसी, नो सेंसस* के नारे लगाते हुए जनगणना का विरोध कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि पहले राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को अपडेट किया जाए और जातीय संघर्ष के कारण विस्थापित लोगों का पुनर्वास किया जाए, इसके बाद ही जनगणना कराई जाए। रैली काकचिंग जिला मुख्यालय की ओर बढ़ रही थी। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को केइराक बांध क्षेत्र के पास रोक दिया। इसी दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों द्वारा कथित तौर पर पथराव किए जाने के बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। हंगामे के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों को मामूली चोटें आईं। पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में लिया, जिनमें चार महिलाएं शामिल थीं। हालांकि, सभी को उसी रात बाद में रिहा कर दिया गया। प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है और इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

सिंधु जल संधि पर कोर्ट ऑफ ऑर्बिट्रेशन के फैसले को भारत ने किया खारिज

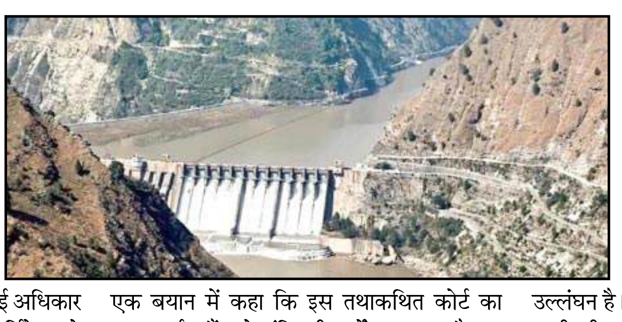

नई दिल्ली। सिंधु जल संधि को लेकर कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (अंतर्राष्ट्रीय विवादों के लिए दुनिया का सबसे पुराना मंच) के ताजा फैसले को भारत ने सिरे से नकार दिया है। विदेश मंत्रालय ने साफ किया है कि भारत ने इस फैसले को न सिर्फ पूरी तरीके से खारिज किया है बल्कि कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन की वैधता को नाकारा है। भारत के कहा कि भारत के संप्रभु फैसलों पर किसी निकाय का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। सोमवार को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ने सिंधु जल संधि की स्थिति और अंतरिम उपायों से जुड़ा एक फैसला जारी किया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस तथाकथित कोर्ट का गठन वर्ल्ड बैंक ने संधि की शर्तों का साफ तौर पर उल्लंघन करते हुए किया था। भारत इसके तथाकथित फैसले को पूरी तरह से खारिज करता है, ठीक वैसे ही जैसे उसने इस गैर-कानूनी ढंग से गठित संस्था के पहले के सभी फैसलों को खारिज किया है। बयान में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि भारत ने कभी भी कानून की नजर में इस गैर-कानूनी ढंग से गठित संस्था के अस्तित्व को मान्यता नहीं दी है, और हमेशा यही कहा है कि इस तथाकथित आर्बिट्रल संस्था का गठन ही सिंधु जल संधि का उल्लंघन है। बयान में कहा गया कि इसीलिए, भारत कभी भी इस संस्था के सामने पेश नहीं हुआ और उसने इसके पहले के फैसलों पर कोई ध्यान नहीं दिया है।

टोटपाड़ा में पाइपलाइन पेयजल आपूर्ति योजना का उद्घाटन

कोकराझाड़ (हिंस)। जन स्वास्थ्य तकनीकी विभाग, कोकराझाड़-1 के अंतर्गत फकीराग्राम नगरपालिका क्षेत्र के टोटपाड़ा में पाइपलाइन के माध्यम से पेयजल आपूर्ति योजना का सोमवार को विधिवत उद्घाटन किया गया। बीटीसी के 7 नंबर फकीराग्राम परिषद निर्वाचन क्षेत्र के पार्षद एजामुल हक ने योजना का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में फकीराग्राम नगरपालिका के अध्यक्ष सुल्तान आलम, उपाध्यक्ष प्रणव शर्मा, जन स्वास्थ्य तकनीकी विभाग के अभियंता मनोज कुमार नंदी, ठेकेदार अमित पोद्दार सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर पेयजल आपूर्ति योजना के संचालन की जिम्मेदारी औपचारिक रूप से पेयजल आपूर्ति योजना संचालन समिति को सौंपी गई। साथ ही योजना के उचित रखरखाव, पेयजल के सदुपयोग तथा जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उपस्थित लोगों को शपथ भी दिलाई गई। स्थानीय लोगों ने योजना के शुरू होने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इसके माध्यम से क्षेत्र के लोगों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में सुविधा होगी।

नेपाल आपदा : 39 देशों के करीब 590 विदेशी नागरिक अब भी लापता

काठमांडू (हि.स.)। हाल ही में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों से 323 से अधिक विदेशी नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक 39 देशों के करीब 590 विदेशी नागरिक अब भी लापता हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि सरकार पड़ोसी देशों और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ लगातार संपर्क और समन्वय बनाए हुए है। बड़ी संख्या में विदेशी नागरिकों के अब भी लापता होने को देखते हुए मंत्रालय में एक इमरजेंसी कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जो संबंधित एजेंसियों के साथ-साथ लापता लोगों के परिवारों के साथ भी समन्वय कर रहा है। विदेशी नागरिकों से संबंधित सत्यापित जानकारी राजनयिक मिशनों के माध्यम से लगातार साझा और अपडेट की जा रही है। साथ ही, मिशन लापता लोगों के परिवारों से संपर्क स्थापित करने, आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने तथा पहचान और शवों की स्वदेश वापसी की प्रक्रिया में भी सहयोग कर रहे हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय के मुताबिक सुरंगों में फंसे लोगों को निकालने के लिए भारत और चीन की विशेषज्ञ तकनीकी टीमें नेपाल पहुंच चुकी हैं। भारत से 11 और चीन से 9 विशेषज्ञ नेपाली अधिकारियों के समन्वय में रेस्क्यू अभियान में जुटे हैं। भारत की टीम मेलुंग (चिलिमे) और स्याफ्रुबेसी में, जबकि चीन की टीम अपर त्रिशूली-3ए में सुरंग बचाव अभियान में सहयोग कर रही है। दक्षिण कोरिया की एक टीम को भी अभियान में लगाया गया है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत से डीएनए विश्लेषण में विशेषज्ञता रखने वाले 18 फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम 29 अगस्त से नेपाल में मौजूद है। इस संबंध में भी दोनों देशों के बीच समन्वय जारी है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत, चीन, जापान, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), दक्षिण कोरिया और अन्य देशों तथा साझेदारों से नेपाल को बचाव और राहत के लिए महत्वपूर्ण सहायता मिल चुकी है। इस सहायता में ब्रिज यूनिट, फ्रीजर, जनरेटर सेट, सोलर लैंप, डीएनए टेस्टिंग किट, आपातकालीन राहत उपकरण, टेंट, कंबल, स्लीपिंग बैग, खाद्य सामग्री और दवाइयां आदि शामिल हैं। भारत, चीन सहित अन्य देशों से राहत सामग्री पहले ही नेपाल पहुंच चुकी है। इसके अलावा यूएई, म्यांमार, अमेरिका, कतर, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, जापान, न्यूजीलैंड, मलेशिया, सिंगापुर समेत कई देशों से और राहत सामग्री आने की प्रक्रिया जारी है। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र, विश्व स्वास्थ्य संगठन, विश्व खाद्य कार्यक्रम और यूनिसेफ जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और साझेदारों से भी सहयोग मिल रहा है। मंत्रालय ने कहा कि बाढ़ से हुए नुकसान और आवश्यकताओं का प्रारंभिक आकलन किया जा रहा है। वास्तविक नुकसान का आंकड़ा निर्धारित करने के लिए बाद में पोस्ट-डिजास्टर नीड्स असेसमेंट किया जाएगा। बाढ़ और आपदा से घरों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत परियोजनाओं समेत महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। नेपाल को इनके पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहायता की आवश्यकता पड़ने की संभावना है। मंत्रालय ने कहा कि आकलन आगे बढ़ने के साथ नेपाल अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं की जानकारी बाद में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को देगा।

पृष्ठ एक का शेष

भारत ही करा सकता...

अनुसार, किर्गिस्तान में आयोजित एससीओ राष्ट्राध्यक्षों के शिखर सम्मेलन और शंघाई प्लस बैठक के दौरान दोनों नेताओं की मुलाकात हुई। राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने हालिया संघर्ष के दौरान ईरान को भारत द्वारा दिए गए समर्थन और सहयोग की सराहना की। उन्होंने क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता स्थापित करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों को तेज करने की जरूरत पर जोर दिया। मुलाकात के दौरान भारत और ईरान के बीच भविष्य में व्यापार और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने भी भारत के लिए ईरान के महत्व को रेखांकित किया और दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत बनाने की इच्छा जताई। क्षेत्रीय हालात पर अपनी सरकार का पक्ष रखते हुए राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने कहा कि उनकी सरकार की शुरुआत से ही कोशिश शांति और सुरक्षा बनाए रखने तथा बातचीत के जरिए विवादों को सुलझाने की रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कूटनीतिक रास्तों को अपनाने के बजाय अमेरिका ने युद्ध, असुरक्षा और दबाव की नीति को चुना। पेजेश्कियान ने कहा कि ईरान की प्राथमिकता हमेशा संवाद के जरिए समस्याओं का समाधान करना रही है और देश ने कभी युद्ध का स्वागत नहीं किया।ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान अपने समझौतों के तहत की गई प्रतिबद्धताओं पर कायम रहा है, लेकिन उनके अनुसार अमेरिकी पक्ष अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में विफल रहा। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद ईरान बातचीत और आपसी समझौते की दिशा में प्रयास जारी रखना चाहता है। पेजेश्कियान के अनुसार, युद्ध का लगातार जारी रहना न सिर्फ ईरान के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र और मानवता के हित में भी नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार की जिम्मेदारी अपने नागरिकों को खतरे और असुरक्षा से बचाना तथा उनके लिए शांति और स्थिरता सुनिश्चित करना है। ईरानी राष्ट्रपति की यह अपील ऐसे समय में आई है जब भारत वैश्विक मंचों पर लगातार संवाद और कूटनीति के जरिए विवादों के समाधान की बात करता रहा है। भारत के कई प्रमुख देशों के साथ मजबूत संबंध हैं और वह अलग-अलग वैश्विक शक्तियों के बीच संवाद बनाए रखने की क्षमता रखता है। ऐसे में ईरान की ओर से प्रधानमंत्री मोदी से की गई यह अपील भारत की बढ़ती कूटनीतिक अहमियत को भी दर्शाती है। हालांकि किसी युद्ध या संघर्ष को समाप्त करने के लिए केवल एक देश की कोशिश पर्याप्त नहीं होती। इसके लिए संघर्ष में शामिल सभी पक्षों की राजनीतिक इच्छा, बातचीत और समझौते की तैयारी भी जरूरी होती है।

नेपाल से बहकर ...

मुताबिक, गंडक नदी से अब तक 13 शव बरामद किए जा चुके हैं। शव की बरामदगी के लिए प्रशासन की निगरानी में एसडीआरएफ की टीम नदी और आसपास के क्षेत्रों में लगातार अभियान चला रही है। नदी की तेज धारा और प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच रेस्क्यू टीम को अभियान के दौरान विशेष सावधानी बरतनी पड़ रही है। प्रशासन ने नदी क्षेत्र में निगरानी भी बढ़ा दी है। बरामद 13 शव में से छह को कुशीनगर राजकीय मेडिकल कॉलेज की मॉर्चरी के डीप फ्रीजर में सुरक्षित रखा गया है। वहीं, सात शव को गोरखपुर स्थित एम्स भेजा गया है, जहां पोस्टमार्टम और अन्य आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रिया पूरी की जा रही है। सभी की पहचान कराने के लिए प्रशासन की ओर से आवश्यक कानूनी प्रक्रिया भी पूरी की जा रही है। जिला प्रशासन बरामद सभी अज्ञात शवों की जानकारी नेपाल सरकार और संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध करा रहा है। प्रशासन का प्रयास है कि शव की पहचान कर उन्हें उनके परिजनों तक पहुंचाया जा सके। इसके लिए नेपाल प्रशासन के साथ भी लगातार समन्वय स्थापित किया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी वंदिता श्रीवास्तव ने बताया कि बरामद सभी शव की पहचान, पोस्टमार्टम और अन्य आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें नेपाल प्रशासन को सौंपने की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए नेपाल के संबंधित अधिकारियों से संपर्क और समन्वय किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यदि नदी में शव मिलने का सिलसिला जारी रहता है तो रेस्क्यू और निगरानी अभियान भी लगातार जारी रखा जाएगा। फिलहाल प्रशासन की टीमें स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और नदी क्षेत्र में किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां की गई हैं।

सड़कों का खराब रखरकाव ...

सीटों वाली फोर्स ट्रैवलर गाड़ी खेत्री के पास हाईवे पर बने एक बड़े गड्ढे से टकरा गई। गड्ढे में पड़ते ही गाड़ी का टायर फट गया, जिससे चालक ने वाहन से संतुलन खो दिया। अनियंत्रित ट्रैवलर रोड डिवाइडर को लांघती हुई सड़क की दूसरी तरफ चली गई और सामने से आ रहे मालवाहक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि 5 पुरुषों और 2 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटनास्थल सोनापुर के तेतेलिया का दौरा करने के बाद मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि पुलिस जांच और स्थानीय लोगों के बयानों से स्पष्ट है कि एनएच-27 पर लचर मेंटेनेंस इस हादसे कि लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने बताया कि मुख्य सचिव रवि कोटा ने एनएचएआई चेयरमैन से बातचीत की है और उन्होंने राजमार्गों की तत्काल मरम्मत का भरोसा दिया है। असम सरकार ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने और घायलों का मुफ्त इलाज कराने का निर्देश दिया है। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए खेत्री पुलिस ने एनएचएआई के दो अधिकारियों को हिरासत में लेकर कानूनी जांच शुरू कर दी है।

नेपाल बाढ़ : कृषि विकास...

कृषि विकास बैंक की त्रिशूली-ढुंगे शाखा से करीब 50 करोड़ नेपाली रुपए मूल्य का सोना, लगभग डेढ़ करोड़ नेपाली रुपए नकद और महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि रविवार को करीब 8 घंटे तक लगातार प्रयास करने के बाद सोना-चांदी, नकदी और अन्य महत्वपूर्ण सामान को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

विदेशी ग्राहकों के लिए वस्त्र तैयार करते समय भारत की महक और सुगंध नहीं छूटनी चाहिए : द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि वस्त्र और परिधान क्षेत्र केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत का अंग नहीं है बल्कि यह करोड़ों देशवासियों की आजीविका का भी आधार है। जब आप विदेशी ग्राहकों के लिए वस्त्र तैयार करें, तब भी उसमें भारत की महक और सुगंध नहीं छूटनी चाहिए। राष्ट्रपति मुर्मु सोमवार को दिल्ली स्थित राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) के संयुक्त दीक्षांत समारोह 2026 को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आपकी सोच वैश्विक होनी चाहिए, लेकिन आपकी जड़ें अपनी मिट्टी की विशिष्टता और जीवन मूल्यों से जुड़ी रहें। जब आप विदेशी ग्राहकों के लिए वस्त्र तैयार करें, तब भी उसमें भारत की महक और सुगंध नहीं छूटनी चाहिए। आपको एक ऐसे समाज के निर्माण में सहयोग करना है, जिसमें प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र की प्रगति में योगदान करने के उचित अवसर मिल सकें। आपके प्रयास से शिल्पकार को अपनी शिल्प की मूल पहचान को बनाए रखते हुए अपनी उत्पादकता और आय बढ़ाने में सहायता मिले। इसी में आपकी सफलता है। राष्ट्रपति ने महिला सशक्तीकरण के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि 20 वर्ष पहले इस क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी केवल 20 प्रतिशत थी जबकि आज उपस्थित लगभग 4 हजार विद्यार्थियों में से 85 प्रतिशत महिलाएं हैं। यह बदलाव विकसित और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और सर्कुलर इकोनॉमी पर बल देते हुए बंगाल की कांथा कढ़ाई और बिहार की सुजनी कला का विशेष उल्लेख किया गया। उन्होंने इन पारंपरिक शिल्पों को रीसाइक्लिंग का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि जो सामग्री बच जाए, उसे बेकार समझकर फेंकने के बजाय नया रूप, नई उपयोगिता और मूल्य देना ही भारतीय परंपरा का मूल आधार है। विद्यार्थियों से स्थानीय कच्चे माल का उपयोग कर पर्यावरण अनुकूल उत्पाद और वैश्विक ब्रांड तैयार करने की अपील की गई। वर्ष 2047 तक *विकसित भारत* के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए युवाओं की भूमिका को निर्णायक बताते हुए उन्होंने आह्वान किया कि युवा केवल नौकरी खोजने वाले न बनें बल्कि दूसरों को रोजगार देने वाले बनें। साथ ही कि क्राफ्ट क्लस्टर इनिशिएटिव जैसे प्रयासों के माध्यम से पारंपरिक बुनकरों और शिल्पकारों की मूल पहचान को बनाए रखते हुए उनकी आय और उत्पादकता बढ़ाने में योगदान दें। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने विद्यार्थियों और युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे केवल फैशन डिजाइन या फैशन शो तक सीमित नहीं हैं, बल्कि 2047 के बदलते भारत के असली कर्णधार हैं। उन्होंने युवाओं से जीवनभर सीखने की प्रवृत्ति बनाए रखने, माता-पिता का सम्मान करने और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने का आह्वान किया। डॉ. कलाम के विचारों को उद्धृत करते हुए मंत्री सिंह ने कहा कि व्यक्ति केवल डिग्री हासिल करने तक ही विद्यार्थी नहीं रहता, बल्कि जीवन की अंतिम यात्रा तक सीखने की प्रक्रिया चलती रहती है। सपना देखिए, लक्ष्य निर्धारित कीजिए, ज्ञान प्राप्त कीजिए, कड़ी मेहनत कीजिए और कभी हार मत मानिए। आपकी सोच और परिश्रम ही देश के भविष्य को बदल सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश का उल्लेख करते हुए उन्होंने युवाओं से कहा कि अपने लक्ष्य को बड़ा रखिए, मेहनत को आदत और आत्मविश्वास को अपनी ताकत बनाइए। दूसरों से तुलना करने के बजाय प्रतिदिन स्वयं को बेहतर बनाने का प्रयास करें। उन्होंने छात्रों को परीक्षाओं (चाहे अकादमिक हों या जीवन की) से तनाव न लेने, असफलताओं से सीखने और तकनीक का सदुपयोग कर देश के विकास में योगदान देने की सलाह दी।

असम में गो-तस्करी के खिलाफ अभियान तेज, 22 वाहन जब्त 298 गो-धन बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि राज्य में गो-तस्करी के खिलाफ पुलिस अभियान तेज कर दिया गया है और इस अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि गायें लोगों के आध्यात्मिक जीवन से जुड़ी हैं और कई परिवारों की आजीविका का प्रमुख आधार हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई के लिए सरकार प्रतिबद्ध है, जो अवैध तरीके से गो-धन की तस्करी कर लाभ कमाने की कोशिश करते हैं।

10 हजार याबा टैबलेट जब्त, एक गिरफ्तार

कछार (हिंस)। एनडीपीएस पदार्थों की तस्करी की सूचना के आधार पर कछार जिले के लखीपुर थाना क्षेत्र के टोलेनग्राम में पुलिस ने नाका लगाकर एक वाहन को रोका। वाहन में सवार एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में वाहन की तलाशी के दौरान पुलिस ने 10 हजार याबा टैबलेट, जिनका कुल वजन 1.131 किलोग्राम है, बरामद किया। पुलिस ने एएस-11एई-5595 नंबर वाली मारुति को भी जब्त कर लिया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान फकरुल हुसैन चौधरी (32) के रूप में हुई है।

मंत्री कौशिक राय ने की उचित मूल्य डीलरों की समस्याओं की समीक्षा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले मंत्री कौशिक राय ने सोमवार को असम सचिवालय में ऑल असम फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उचित मूल्य दुकानदारों की विभिन्न समस्याओं और मांगों की समीक्षा की। बैठक के दौरान उचित मूल्य दुकान डीलरों के लाभांश और इससे जुड़े वर्तमान मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अलावा एफपीएस लाइसेंस के नवीनीकरण, डीलरशिप के हस्तांतरण तथा दुकानदारों के सामने आने वाली अन्य परिचालन संबंधी समस्याओं पर भी मंत्री ने जानकारी ली। मंत्री राय ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत लाभार्थियों तक खाद्यान्न और आवश्यक वस्तुओं की प्रभावी आपूर्ति सुनिश्चित करने में उचित मूल्य दुकान डीलरों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि उनकी उचित मांगों और समस्याओं पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को सभी मुद्दों की व्यापक समीक्षा कर लागू नियमों और प्रावधानों के अनुरूप व्यावहारिक समाधान निकालने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि डीलरों की जायज चिंताओं के समाधान के साथ-साथ सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुचारु और पारदर्शी बनाए रखना भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। राय ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और मजबूत करने तथा लाभार्थियों तक आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध एवं पारदर्शी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अपर मुख्य सचिव बिस्वरंजन सामल, आयुक्त हेमंत भुइयां, उप सचिव दिपान्निता दास सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा असम ने *सेवा संकल्प अभियान* के लिए आयोजित किया राज्यस्तरीय प्रशिक्षण सत्र

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सार्वजनिक सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले *सेवा संकल्प अभियान* की तैयारियों को लेकर असम प्रदेश भाजपा ने सोमवार को अटल बिहारी वाजपेयी भवन में राज्यस्तरीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। यह एक महीने तक चलने वाला अभियान 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक आयोजित किया जाएगा। अभियान की रूपरेखा, संगठनात्मक ढांचे और कार्यक्रमों की कार्ययोजना तैयार करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा असम प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने की। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, उत्तर-पूर्व समन्वयक राजीव बब्बर, असम के कैबिनेट मंत्री रनोज पेगू और प्रदेश महासचिव (संगठन) जीआर रविंद्र राजू मौजूद रहे। प्रदेश महासचिव अनूप बर्मन ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया। बैठक में असम सरकार के कई मंत्री, विधायक, भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी तथा विभिन्न जिलों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक में अभियान को प्रभावी और व्यापक जनआंदोलन बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पार्टी नेताओं ने सेवा, समर्पण, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र प्रथम की भावना को अभियान का आधार बनाते हुए इसे जनता के बीच प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर जोर दिया।

सोनापुर सड़क हादसा : एनएचएआई ने सात दिनों में हाईवे मरम्मत पूरी करने के दिए निर्देश, इंजीनियर निलंबित

गुवाहाटी (हिंस)। सोनापुर में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर हुए भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की मौत के बाद नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। एनएचएआई ने हाईवे पर मरम्मत से जुड़े सभी आवश्यक कार्य सात दिनों के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए हैं। एनएचएआई अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि संबंधित ठेकेदार और इलाके के सुपरवाइजर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। लापरवाही के आरोप में ठेकेदार को कार्य से हटा दिया गया है, जबकि साइड इंजीनियर को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई क्षेत्री थाना क्षेत्र के तेतेलिया के पास हुए दर्दनाक हादसे के बाद की गई है। नगांव से गुवाहाटी की ओर जा रही ट्रैवलर बस का टायर गड्ढे में पड़ने के बाद फट गया, जिसके कारण वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर गया और सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गया।

खेत्री थानांतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर ट्रक दुर्घटनाग्रस्त

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के बाहरी इलाके में खेत्री थानांतर्गत इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग 27 की अवस्था काफी जर्जर है । जिसकी वजह से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है। जिसकी वजह से सोमवार तड़के सामान लेकर जा रहा एक ट्रक राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वहीं बीती रात भी एक भयावह सड़क हादसे में छह लोगों की मौत एवं छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आज सुबह धूपगुड़ी इलाके में दुर्घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम की मदद से ट्रक को राष्ट्रीय राजमार्ग से हटाया गया। हालांकि, इस हादसे में कोई घायल नहीं हुआ है। ज्ञात होगी कि बीती रात सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे की वजह से एक ट्रैवेलर बस ट्रक से जा टकरायी थी। जिसकी वजह से ट्रैवेलर के ड्राइवर समेत 6 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं 6 लोगों को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों ने बीती राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा टोल गेट पर वाहनों से टैक्स वसूला जाता हैं लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग के मरम्म को लेकर कोई कदम नहीं उठाया जाता है। अगर समय रहते राष्ट्रीय राजमार्ग की मरम्मत नहीं की गई तो आने वाले समय में जान माल का भारी नुकसान हो सकता है।

गौहाटी विवि में दो दिवसीय संस्कृत दिवस महोत्सव संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। गौहाटी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग ने आचार्य उमाकांत देव शर्मा फाउंडेशन और बीएपीएस स्वामीनारायण रिसर्च इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय संस्कृत दिवस महोत्सव का सफल आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्कृत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना और स्वागत गीत की प्रस्तुति से हुई। कार्यक्रम का संचालन विभाग की शोधार्थी हियाश्री राय ने किया। संस्कृत विभाग के प्रमुख प्रो. कामेश्वर शुक्ला ने स्वागत भाषण में श्रावणी पूर्णिमा के अवसर पर मनाए जाने वाले विश्व संस्कृत दिवस और संस्कृत सप्ताह के इतिहास तथा इससे जुड़ी परंपराओं पर प्रकाश डाला। महोत्सव के दौरान राज्यस्तरीय संस्कृत श्लोकवृत्ति और संस्कृत भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें हाई स्कूल एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के साथ कॉलेज, विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने भाग लिया। विजेताओं को नकद पुरस्कार, प्रमाण पत्र, पारंपरिक उत्तरीय और स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आचार्य उमाकांत देव शर्मा फाउंडेशन, गुवाहाटी की ओर से अखिल भारतीय साहित्य परिषद की अध्यक्ष मृणालिनी देवी को *वाणी विभूति* सम्मान तथा बरपेटा सत्र के बूढ़ा सत्राधिकारी डॉ. बाबुल चंद्र दास को *वैष्णव वैभव* सम्मान प्रदान किया गया। समारोह को डॉ. बाबुल चंद्र दास, मृणालिनी देवी, असम विधानसभा के सचिव राजीव भट्टाचार्य और आचार्य उमाकांत देव शर्मा फाउंडेशन के सचिव ज्योतिर्मय शर्मा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का समापन गौहाटी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के प्रोफेसर डॉ. जगदीश शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

बोकाखात में 14 गैस सिलेंडरों में विस्फोट से व्यावसायिक प्रतिष्ठान जलकर राख

गोलाघाट (हिंस)। असम के बोकाखात में सोमवार को भीषण आगजनी से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की चपेट में आने से करीब 14 व्यावसायिक प्रतिष्ठान जलकर राख हो गए। बताया जा रहा है कि आग के दौरान 14 गैस सिलेंडरों में विस्फोट हुआ, जिससे स्थिति और भयावह हो गई। सिलेंडर विस्फोट के कारण इलाके में दहशत फैल गई। घटना के भयावह दृश्य सामने आए हैं। आग लगने के कारणों और नुकसान का विस्तृत आकलन अभी नहीं हो पाया है। घटना से संबंधित अन्य जानकारी की प्रतीक्षा है।

फकीराग्राम में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की चपेट में आए 73 वर्षीय पुजारी गंभीर रूप से घायल

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम रेलवे स्टेशन के निकटवर्ती हेल नदी के समीप सोमवार तड़के एक दर्दनाक रेल हादसे में 73 वर्षीय वृद्ध पुजारी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान धुबड़ी जिले के सापटग्राम बाजार निवासी बुलु चौधरी (73) के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुलु चौधरी फकीराग्राम के हेल नदी के किनारे स्थित एक मंदिर में रहकर नियमित रूप से पूजा-अर्चना करते थे। सोमवार सुबह मंदिर जाते समय फकीराग्राम रेलवे गेट के हेल नदी के समीप वे 27575 नंबर की वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ और जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल वृद्ध को तत्काल घटनास्थल से निकालकर बेहतर उपचार के लिए कोकराझाड़ मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा। फिलहाल बुलु चौधरी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। पुलिस एवं रेलवे अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं भारत रत्न प्रणब मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से प्रणब मुखर्जी को दूरदर्शी राष्ट्रनायक, प्रज्ञावान चिंतक और कुशल प्रशासक बताया। उन्होंने कहा कि अपने लंबे सार्वजनिक जीवन के दौरान प्रणब मुखर्जी ने देश के विकास और प्रगति में अद्वितीय योगदान दिया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम के विकास और प्रगति में भी प्रणब मुखर्जी का सहयोग हमेशा स्मरणीय रहेगा।

शोणितपुर के रंगापारा जामुनबील में जंगली हाथी ने पांच घरों को तोड़ा

शोणितपुर (हिंस)। जिले के रंगापारा थाना क्षेत्र के जामुनबील गांव में बीती रात हाथियों के झुंड से अलग हुए एक जंगली हाथी ने भोजन की तलाश में पांच घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया। हाथी ने एलीजाबेथ पन्ना, एलीयाझार खरवार, लाद्रुस केरकेट्टा, रुपाली राजगढ़ और अदाम टुटी के घरों को तोड़ दिया। हाथी ने घरों में रखी खाद्य सामग्री और अन्य घरेलू सामान को भी नुकसान पहुंचाया। घटना के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने वन विभाग से जंगली हाथियों के आतंक से निजात दिलाने और प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

असम के सोनापुर सड़क हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर हुई सात

गुवाहाटी (हिंस)। असम के सोनापुर में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर हुए भीषण सड़क हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। रविवार रात एक ट्रैवलर बस और मालवाहक ट्रक के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि इलाज के दौरान दो अन्य घायलों ने दम तोड़ दिया। ताजा जानकारी के मुताबिक, हादसे में मृत सात लोगों में से तीन शव गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) में रखे गए हैं। वहीं, तीन शव सोनापुर के अस्पताल और एक शव कोस्मो अस्पताल में रखा गया है। पुलिस के अनुसार, हादसा खेत्री थाना क्षेत्र के अंतर्गत मयहांग और भूरागांव के बीच तेतेलिया के पास हुआ। गुवाहाटी की ओर जा रही ट्रैवलर बस (एएस-01एचसी-0716) डिवाइडर पार कर विपरीत दिशा से आ रहे मालवाहक ट्रक (एएस-07बीसी-4271) से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस और ट्रक के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस और लोगों ने राहत एवं बचाव अभियान चलाकर क्षतिग्रस्त वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकाला और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। लोगों के मुताबिक, नगांव से गुवाहाटी की ओर जा रही ट्रैवलर बस का एक टायर सड़क पर बने गड्ढे में पड़ने के बाद फट गया। इसके बाद बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर गई और सामने से आ रहे ट्रक से जा भिड़ी। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे को लेकर प्राथमिकी दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

यूपीपीएल ने विभिन्न मांगों के समर्थन में किया विरोध-प्रदर्शन

कोकराझाड़ (हिंस)। यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) की ओर से आज कोकराझाड़ में विभिन्न मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन किया गया। इस दौरान श्रीरामपुर में कथित रूप से चल रहे सिंडिकेट राज एवं अवैध कर वसूली को तत्काल बंद करने की मांग उठाई गई। यूपीपीएल नेताओं ने आरोप लगाया कि श्रीरामपुर क्षेत्र में कथित सिंडिकेट राज और अवैध कर वसूली के कारण बीटीसी क्षेत्र के साथ-साथ पूरे उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो रही है। पार्टी ने ऐसी गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। धरना कार्यक्रम के माध्यम से यूपीपीएल ने बीटीसी क्षेत्र में हत्या एवं हिंसा की घटनाओं पर रोक लगाने की भी मांग की। इसके अलावा, अरुणोदय योजना से वंचित पात्र एवं जरूरतमंद गरीब महिला लाभार्थियों को योजना का लाभ सुनिश्चित करने तथा उन्हें नियमित रूप से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग भी की। यूपीपीएल के केंद्रीय महासचिव राजू कुमार नार्जारी ने बताया कि धरना कार्यक्रम के दौरान उक्त मांगों से संबंधित एक ज्ञापन राज्य के मुख्यमंत्री को भेजा गया है। कोकराझाड़ में आयोजित धरना कार्यक्रम में यूपीपीएल के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री उर्खाओ गौरा ब्रह्म, पूर्व विधायक लॉरेंस इस्लारी सहित पार्टी के सैकड़ों नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पार्टी की विभिन्न मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए संबंधित मुद्दों के समाधान की मांग की।

विश्वनाथ में नकली सोना और अवैध शराब से लदी गाड़ी जब्त

विश्वनाथ चारियाली (विभास)। विश्वनाथ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आसीफ अहमद के नेतृत्व में कल रात दो बड़े अभियान चलाए गए। पहले अभियान में दो किलो वजन का नकली सोना जब्त किया गया। हरीश अली उर्फ सरूबाबु को गिरफ्तार किया गया है। एक ग्राहक को बेचने के लिए लाए गए नकली सोने के साथ हरीश अली को विश्वनाथ जिले के हाटिंगा से पकड़ा गया। दूसरे अभियान में विश्वनाथ पुलिस ने विश्वनाथ बाईपास से एक बोलेरो पिकअप के साथ लगभग 30 कार्टन अवैध अरुणाचल प्रदेश की शराब जब्त की। शराब ढो रही बोलेरो पिकअप का नंबर एआर 05 ए 2002 है। विश्वनाथ पुलिस ने शराब से भरी बोलेरो को बेदेती से खदेड़कर पकड़ा।

दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने टोल प्लाजा को कराया बंद

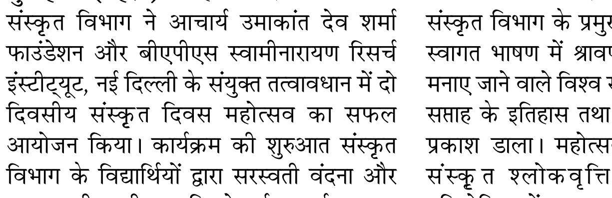

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी महानगर के बाहरी इलाके में स्थित नजीराघाट टोल प्लाजा को स्थानीय दल- संगठनों ने सोमवार को बंद कर दिया। उल्लेखनीय है कि बीती रात क्षेत्री थाना क्षेत्र इलाके में ट्रक और ट्रैवलर बस के बीच में टक्कर में सात लोगों की जान चली गई थी। जिसके बाद से ही स्थानीय लोगों और स्थानीय दल- संगठनों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और टोल गेट के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। सोमवार को असम छात्र संघ की डिमोरिया शाखा, ऑल असम ट्राइबल संघ की सोनापुर शाखा के अलावा स्थानीय लोगों ने नजीराघाट पहुंचकर टोल गेट पर धन संग्रह करने पर पूरी तरह रोक लगा दी। टोल प्लाजा के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जब तक राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण जर्जर राष्ट्रीय राजमार्ग की मरम्मत पूरी तरह नहीं करता तब तक राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजरने वाले वाहनों का टोल वसूलने नहीं दिया जाएगा । स्थानीय संगठन व स्थानीय लोगों के आक्रोश को देखते हुए टोल प्लाजा के कर्मियों ने वाहनों से टोल टैक्स वसूलना बंद कर दिया । तनाव को देखते हुए टोल प्लाजा पर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

अजमल लॉ कॉलेज में पहली राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का सफल आयोजन

होजाई (निसं)। स्थानीय अजमल लॉ कॉलेज (अजमल फाउंडेशन) ने हाजोई को देश के कानून और शिक्षा क्षेत्र के मानचित्र पर एक नई पहचान दी है। 29 और 30 अगस्त को आयोजित कॉलेज की *पहली राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता* न केवल एक ऐतिहासिक आयोजन साबित हुई, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए एक गौरवपूर्ण पल भी रही। दो दिनों तक चली इस राष्ट्रीय स्तर की कानूनी बहस प्रतियोगिता में देश के 16 अलग-अलग राज्यों से आई कुल 40 टीमों ने अपने शोध, तर्क-वितर्क और अदालत में प्रभावी दलीलों का लोहा मनवाया। कड़े मुकाबलों के बाद गुवाहाटी के जेबी लॉ कॉलेज ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया और 1 लाख रुपए की नकद पुरस्कार राशि अपने नाम की, जबकि यूनिवर्सिटी लॉ कॉलेज ने दूसरा स्थान प्राप्त कर 75,000 रुपए का पुरस्कार जीता। व्यक्तिगत श्रेणियों में अगस्त्या कश्यप को *बेस्ट स्पीकर* चुना गया और उन्हें 30,000 रुपए से सम्मानित किया गया, वहीं *बेस्ट मेमोरियल* और *बेस्ट रिसर्चर* श्रेणी के विजेताओं को भी 20-20 हजार रुपए की नकद राशि प्रदान की गई। इस ऐतिहासिक आयोजन में देश और राज्य की प्रमुख न्यायिक हस्तियों की गरिमामयी मौजूदगी रही। उद्घाटन समारोह में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, असम के कुलपति प्रो. डॉ. केवी एस शर्मा और अजमल फाउंडेशन के ट्रस्टी अब्दुर रहमान अजमल शामिल हुए। वहीं समापन समारोह में गुवाहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति कल्याण राय सुराना, पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अजीत बरठाकुर और अरुणाचल प्रदेश लोकायुक्त के अध्यक्ष प्रशांत कुमार डेका ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में होजाई जिले के सत्र न्यायाधीश, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सहित कई स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। अजमल फाउंडेशन के निदेशक डॉ. खसरुल इस्लाम ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि होजाई में इस तरह के राष्ट्रीय आयोजन की सफलता पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है, जिसने होजाई के शैक्षणिक और विधि क्षेत्र को राष्ट्रीय स्तर पर एक नई ऊंचाई दी है।

धुबड़ी : फर्जी ट्रेड लाइसेंस को लेकर प्राथमिकी दर्ज

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी नगर पालिका के नाम पर फर्जी ट्रेड लाइसेंस तैयार और वितरित करने वाला एक गिरोह पर्दाफाश हुआ, जब बूम बूम नामक प्रतिष्ठान के नाम पर ट्रेड लाइसेंस जारी किए गए थे। मिली जानकारी के अनुसार इस संबंध में धुबड़ी नगर पालिका ने आज धुबड़ी सदर थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई है। सूचना के अनुसार उक्त प्रतिष्ठान के ट्रेड लाइसेंस की जांच के दौरान यह फर्जीवाड़ा सामने आया। जब इस लाइसेंस की बारीकी से जांच की गई, तो पता चला कि यह पूरी तरह से जाली था। इस लाइसेंस पर जारी करने की तारीख 17 अप्रैल, 2023 दर्ज थी और इस पर धुबड़ी नगर पालिका के संबंधित अधिकारी के जाली हस्ताक्षर भी थे। लाइसेंस के फर्जी होने की पुष्टि होने के बाद, नगर पालिका के कार्यकारी अधिकारी द्विजेन कुम्हार ने धुबड़ी सदर थाने में मामला दर्ज कराया। मिली जानकारी के अनुसार थाने में दर्ज प्राथमिकी में उल्लेख किया गया है कि एजाज अहमद नामक व्यक्ति ने अपने कंप्यूटर डेटाबेस से यह जाली ट्रेड लाइसेंस तैयार किया था। दूसरी ओर, धुबड़ी नगर पालिका इस बात की जांच कर रही है कि इस फर्जी दस्तावेज को बनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य क्या था, और क्या इसमें कोई अन्य व्यक्ति या गिरोह शामिल है। आने वाले दिनों में पुलिस जांच से यह साफ हो पाएगा कि इस चक्र के तार कहां तक जुड़े हैं। समाचार लिखे जाने तक पुलिस गहराई से जांच में जुटी हुई है। जांच के बाद पता चल पाएगा कि इस तरह के धंधा करने वाले गिरोह का हाथ कहां तक और असली मास्टरमाइंड कौन है।

संपादकीय

टैरिफ ने छीनी हीरे की चमक

भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी अमेरिकी टैरिफ बुधवार को लागू हो गया। इसी के साथ भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त टैरिफ बढ़कर 50 फीसद हो गया। माना जा रहा है 48 अरब डॉलर से ज्यादा का अमेरिका को दिए जाने वाला भारतीय निर्यात इससे प्रभावित होगा। भारत के वस्त्र, परिधान, रत्न आभूषण, झींगा, चमड़ा, टेक्सटाइल इत्यादि बहुत से उद्योगों पर सीधा असर पड़ेगा। मैंने कुछ दिन पहले हरियाणा के उद्योगों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का वर्णन किया था। आज मैं गुजरात के सूरत हीरा उद्योग के बारे में बताने का प्रयास करूंगा। सूरत दुनिया में हीरा की कटिंग और पालिशिंग के लिए जाना जाता है। लेकिन अब इस उद्योग पर निर्भर रहने वाले लोग मुश्किल में हैं। 50 फीसदी टैरिफ ने इस क्षेत्र के व्यापारियों के साथ-साथ मजदूरों को भी चिंता में डाल दिया है। हीरा उद्योग से जुड़े 25 लाख से ज्यादा कामगार इससे प्रभावित हो सकते हैं। 50 फीसदी टैरिफ लगाने का असर सबसे ज्यादा इस क्षेत्र पर पड़ रहा है क्योंकि सूरत का हीरा उद्योग अमेरिका के किए जाने वाले निर्यात पर ज्यादा निर्भर है। कुछ लोगों का मानना है कि अगर टैरिफ कम नहीं किया गया तो कई व्यापारी हीरा उद्योग से बाहर हो जाएंगे। कई लोगों की नौकरियां चली जाएंगी और भयंकर मंदी आ जाएगी। हालांकि दूसरी ओर हीरा उद्योग से जुड़े संगठन जैसे सूरत डायमंड एसोसिएशन और साउथ गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स का मानना है कि अमेरिकी टैरिफ से कुछ मंदी आएगी लेकिन समय के साथ स्थिति स्थिर हो जाएगी क्योंकि भारत का हीरा उद्योग की जितनी जरूरत है, अमेरिका में भी हीरों की उतनी ही मांग है। इसलिए वहां के लोग, व्यापारी भी इस समस्या का समाधान चाहते हैं। सूरत की कई छोटी फैक्ट्रियों में 20 से 200 श्रमिक तक काम करते हैं। राज्यों में तो यह संख्या 500 तक होती है और सूरत में ऐसी हजारों फैक्ट्रियां हैं। हाल ही में कई लोगों को नौकरी से निकाल दिया गया है। सूरत में कई छोटी-बड़ी फैक्ट्रियों का यह हाल है कि 20 साल पहले शैलेश मंगुकिया ने सिर्फ एक पॉलिशिंग व्हील (चक्की) से हीरा पालिश करने की एक यूनिट शुरू की थी जो अब इतनी बड़ी हो गई है कि यहां कामगारों की संख्या 3 से बढ़कर 300 हो गई, हालांकि अब इस फैक्ट्री में सिर्फ 70 लोग ही बचे हैं। वे कहते हैं कि सारे आर्डर कैंसल कर दिए गए हैं। मजदूरों को कहना पड़ रहा है कि काम नहीं है। आर्डर नहीं होने की वजह से काम नहीं है और काम न होने की वजह से सैलरी देने के पैसे नहीं हैं। पिछले साल अगस्त में उनकी फैक्ट्री में हर महीने औसतन 2000 हीरों की प्रोसेसिंग हो रही थी। लेकिन इस साल घटकर मात्र 300 रह गई है। श्रमिक सुरेश राठौर ने कहा, आमतौर पर हमें जन्माष्टमी के दौरान सिर्फ 2 दिन की छुट्टी मिलती थी, इस बार हमें 10 दिन की बिना वेतन छुट्टी दी गई। हम ऐसे कैसे रह सकते हैं? सुरेश राठौर जैसे कई कारीगर हैं, जो इस तरह प्रभावित हो रहे हैं। सूरत डायमंड पालिशर्स यूनियन के भावेश टांक कहते हैं कि हमारे पास इस समय बहुत से जौहरी शिकायत लेकर आ रहे हैं कि उनका वेतन कम कर दिया गया या उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। हजारों मजदूरों की आमदनी कम हो रही है। उद्योग जगत के नेताओं ने एक स्पेशल डायमंड टास्क फोर्स बनाई है। जो इस स्थिति का समाधान निकालने की कोशिश करेगी। दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष निखिल मद्रासी ने इस बारे में बीबीसी से कहा, अमेरिकी बाजार पर भारी निर्भरता के कारण लंबे समय में बड़ा झटका लगेगा। पुराने आर्डर पूरे हो गए हैं, लेकिन नए आर्डर का भविष्य अस्पष्ट है। सरकार को तुरंत मदद करनी होगी। उन्होंने कहा कि कई व्यापारी मध्य पूर्व और यूरोप जैसे बाजारों में अवसर तलाश रहे हैं और कुछ तो बाईपास मार्गों के जरिए अमेरिका तक माल पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि उनके अनुसार अलग- अलग यूरोपीय देशों में नए बाजारों की तलाश करने की जरूरत है। सवाल यह है कि सूरत के हीरा उद्योग को कैसे बचाया जा सकता है? इस उद्योग जगत के कुछ लोगों का कहना है कि आने वाले दिनों में स्थिति और खराब हो सकती है। जेमएंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) के गुजरात अध्यक्ष जयंति भाई सावलिया का मानना है कि अब समय आ गया है कि अमेरिका पर निर्भरता कम की जाए और अन्य बाजारों की ओर देखा जाए। उन्होंने कहा, अगर आर्डर नहीं मिले तो निश्चित रूप से श्रमिकों के वेतन और रोजगार पर असर पड़ेगा। असली मार आने वाले महीनों में दिखेगी। वे आगे कहते हैं कि वर्तमान में अमेरिका को होने वाला कुल निर्यात लगभग 12 अरब डॉलर का है, अगर हम इसका आधा व्यापार भी अन्य देशों में कर सके, तो सूरत का हीरा उद्योग बच सकता है। उस सूरत में भारत के हीरे की चमक टैरिफ से पड़ने वाले असर को कम कर देगी।

भारत के वस्त्र, परिधान, रत्न आभूषण, झींगा, चमड़ा, टेक्सटाइल इत्यादि बहुत से उद्योगों पर सीधा असर पड़ेगा। मैंने कुछ दिन पहले हरियाणा के उद्योगों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का वर्णन किया था। आज मैं गुजरात के सूरत हीरा उद्योग के बारे में बताने का प्रयास करूंगा। सूरत दुनिया में हीरा की कटिंग और पालिशिंग के लिए जाना जाता है। लेकिन अब इस उद्योग पर निर्भर रहने वाले लोग मुश्किल में हैं। 50 फीसदी टैरिफ ने इस क्षेत्र के व्यापारियों के साथ-साथ मजदूरों को भी चिंता में डाल दिया है। हीरा उद्योग से जुड़े 25 लाख से ज्यादा कामगार इससे प्रभावित हो सकते हैं। 50 फीसदी टैरिफ लगाने का असर सबसे ज्यादा इस क्षेत्र पर पड़ रहा है क्योंकि सूरत का हीरा उद्योग अमेरिका के किए जाने वाले निर्यात पर ज्यादा निर्भर है। कुछ लोगों का मानना है कि अगर टैरिफ कम नहीं किया गया तो कई व्यापारी हीरा उद्योग से बाहर हो जाएंगे। कई लोगों की नौकरियां चली जाएंगी और भयंकर मंदी आ जाएगी। हालांकि दूसरी ओर हीरा उद्योग से जुड़े संगठन जैसे सूरत डायमंड एसोसिएशन और साउथ गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स का मानना है कि अमेरिकी टैरिफ से कुछ मंदी आएगी लेकिन समय के साथ स्थिति स्थिर हो जाएगी क्योंकि भारत को हीरा उद्योग की जितनी जरूरत है, अमेरिका में भी हीरों की उतनी ही मांग है। इसलिए वहां के लोग, व्यापारी भी इस समस्या का समाधान चाहते हैं।

कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों ने समय-समय पर संघ और उसके विचारों पर गंभीर राजनीतिक प्रश्न उठाए

भागवत की अमेरिका यात्राः भारतीय चिंतन की सार्थक प्रस्तुति

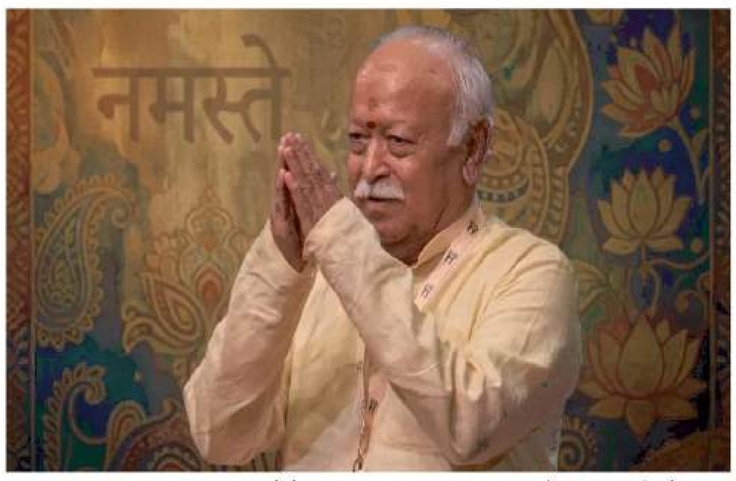

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की अगस्त 2026 की अमेरिका यात्रा को केवल प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम तक सीमित करके देखना उसके व्यापक अर्थ को छोटा करना होगा। न्यूयार्क में 29 अगस्त को आयोजित 'एक विश्व, एक मानवता' कार्यक्रम में उनका संबोधन ऐसे समय हुआ, जब संघ को लेकर भारत ही नहीं, विदेशों में भी अनेक धारणाएं, आरोप और पूर्वाग्रह सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने हुए हैं। ऐसे वातावरण में भागवत ने जिस प्रकार विविधता, संवाद, सेवा, सह-अस्तित्व और मानवीय एकात्मता को केंद्र में रखा, उसने संघ की विचारधारा को उसके समर्थकों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक समाज के सामने भी एक अलग दृष्टि से प्रस्तुत किया। यह यात्रा इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि संघ अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है और उसके विचार अब भारत की सीमाओं से बाहर भी व्यापक चर्चा का विषय बन रहे हैं। भागवत का अमेरिका जाना वस्तुतः संघ के विचार को प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से समझाने का अवसर बना। संघ के बारे में भारत में लंबे समय से दो विपरीत धारणाएं दिखाई देती रही हैं। एक पक्ष उसे भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभावना, सेवा और सामाजिक संगठन की विराट शक्ति मानता है, जबकि दूसरा पक्ष उसके विचारों को संकीर्ण धार्मिक राजनीति से जोड़कर देखता है। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों ने समय-समय पर संघ और उसके विचारों पर गंभीर राजनीतिक प्रश्न उठाए हैं। अमेरिका में भी कार्यक्रम से पहले कुछ संगठनों और राजनीतिक व्यक्तियों ने भागवत की यात्रा और संघ की विचारधारा पर आपत्तियां व्यक्त कीं। ऐसे माहौल में किसी संस्था की वास्तविक छवि केवल आरोप-प्रत्यारोप से नहीं बनती, वह संवाद से बनती है। यही इस यात्रा का सबसे बड़ा महत्व है। भागवत ने अपने विचार विरोधियों पर आक्रमण करके नहीं, बल्कि भारतीय चिंतन की व्याख्या करके सामने रखे। इससे संघ को लेकर बनी धारणाओं पर बहस का एक नया आधार तैयार हुआ। न्यूयार्क में भागवत के वक्तव्य का सबसे अधिक चर्चित पक्ष उनका हिंदू-मुस्लिम संबंधों पर स्पष्ट कथन रहा। उन्होंने कहा कि यदि कोई हिंदू यह मानता है कि भारत में मुसलमानों के लिए स्थान नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रह सकता। यह कथन राजनीतिक नारे से अधिक महत्वपूर्ण इसलिए है कि इसमें हिंदुत्व की उनकी व्याख्या को सामाजिक समावेश के साथ जोड़ा गया है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सत्य एक है और उसे समझने तथा व्यक्त करने के मार्ग अलग-अलग हो सकते हैं। भारतीय परंपरा की यही विशेषता है कि वह मतभिन्नता को अस्तित्व के संकट के रूप में नहीं, बल्कि सत्य की विविध अभिव्यक्तियों के रूप में देखने की क्षमता रखती है। यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आता है-यदि हिंदुत्व का अर्थ भारत की सांस्कृतिक चेतना है, तो क्या वह किसी समुदाय को भारत से बाहर कर सकता है? भागवत का उत्तर स्पष्ट रूप से नकारात्मक दिखाई देता है। उनका कथन हिंदुत्व की उस व्याख्या को सामने रखता है, जिसमें भारतीयता किसी एक पूजा-पद्धति की बपौती नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक विरासत है। भागवत ने अमेरिका में भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं, शक्ति बताया। उनके अनुसार विविधता और एकता भारत के स्वभाव में ही अंतर्निहित हैं। भारत में भाषा, जाति, पंथ, पूजा-पद्धति और परंपराओं की असंख्य धाराएं हैं, फिर भी इन्हें एक साझा सभ्यतागत चेतना जोड़ती रही है। यह संदेश आज के विश्व के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। अनेक देशों में धार्मिक पहचान, नस्लीय भेद, सांस्कृतिक असहमति और राजनीतिक ध्रुवीकरण सामाजिक तनाव बढ़ा रहे हैं। ऐसे समय भारत का अनुभव यह बताता है कि भिन्नताओं को मिटाना आवश्यक नहीं, उन्हें सम्मान देकर भी एकता स्थापित की जा सकती है। यही विचार भागवत के संबोधन को सामान्य राजनीतिक भाषण से ऊपर उठाता है। उनका आग्रह था कि विविधता को स्वीकार ही नहीं, सम्मान और संरक्षण भी मिलना चाहिए। संघ की सार्वजनिक छवि का एक बड़ा हिस्सा राजनीतिक विमर्श से निर्मित हुआ है, जबकि संघ स्वयं को सामाजिक संगठन और सेवा-आधारित सांस्कृतिक आंदोलन के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। भागवत ने अमेरिका में भी सेवा, सामाजिक समरसता और संवाद को परिवर्तन का आधार बताया। यही वह बिंदु है जहां संघ की छवि को केवल चुनावी राजनीति के चश्मे से देखने की सीमा सामने आती है। किसी संगठन को समझने के लिए उसके राजनीतिक प्रभाव के साथ उसकी सामाजिक गतिविधियों, सेवा-कार्य, संगठनात्मक संस्कृति और वैचारिक आधार को भी देखना आवश्यक है। भागवत की यात्रा ने कम से कम इतना अवसर अवश्य दिया कि संघ को उसके अपने शब्दों और उसके सरसंघचालक की प्रत्यक्ष व्याख्या के आधार पर सुना जाए। अमेरिका में बसे भारतीयों से भागवत ने एक संतुलित संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिस देश में वे रह रहे हैं, वह उनकी कर्मभूमि है और वहां के प्रति उनकी निष्ठा तथा दायित्व सर्वोपरि हैं। साथ ही भारत उनकी जन्मभूमि है, जिससे उन्हें मानवीय मूल्यों और सांस्कृतिक संस्कारों की विरासत मिली है। यह दृष्टि प्रवासी भारतीयों के सामने पहचान के संघर्ष के बजाय पहचान के समन्वय का मार्ग रखती है। अपनी जड़ों से जुड़े रहना और जिस समाज में रह रहे हैं उसके प्रति पूर्ण निष्ठा रखना-दोनों एक साथ संभव हैं। यही भारतीय संस्कृति की उदारता है। यह भी तथ्य है कि भागवत के कार्यक्रम का अमेरिका में विरोध हुआ और संघ की विचारधारा को लेकर तीखी आलोचनाएं सामने आईं। लेकिन लोकतांत्रिक समाज में किसी विचार का उत्तर उसे दबाकर नहीं, उसके साथ संवाद करके दिया जाता है। इस दृष्टि से यह यात्रा संघ के लिए भी एक परीक्षा थी। भागवत ने विरोध का उत्तर आक्रामक भाषा में देने के बजाय एकात्मता, मानवता और सह-अस्तित्व की बात की। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है। आलोचक उनके शब्दों और संघ के व्यवहार के बीच अंतर का प्रश्न उठा रहे हैं, समर्थक इसे संघ के मूल विचारों की स्पष्ट अभिव्यक्ति मान रहे हैं। इस बहस का अंतिम निर्णय समय और व्यवहार करेगा, लेकिन इतना निश्चित है कि बहस अब अधिक प्रत्यक्ष और वैश्विक हो गई है। मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा को संघ की छवि पर वर्षों से चले आ रहे विवाद का अंतिम उत्तर मानना अतिशयोक्ति होगी। किंतु इसे एक महत्वपूर्ण मोड़ अवश्य कहा जा सकता है। जिन लोगों ने संघ को केवल राजनीतिक आरोपों और विरोधी व्याख्याओं के माध्यम से जाना है, उन्हें पहली बार इतने बड़े वैश्विक मंच पर उसके शीर्ष नेतृत्व की विचार-दृष्टि को सीधे सुनने का अवसर मिला। यह यात्रा संघ के लिए एक उजाला इसलिए बनी है कि इसमें प्रतिरक्षा की भाषा कम और आत्मविश्वास की भाषा अधिक दिखाई दी। इसमें यह कहने का प्रयास था कि भारतीयता किसी के निषेध से नहीं, सबके सम्मान से मजबूत होती है, हिंदुत्व किसी समुदाय के बहिष्कार से नहीं, मानवता की एकात्म दृष्टि से सार्थक होता है और भारत की शक्ति उसकी समानता में नहीं, उसकी विविधताओं के बीच बनी रहने वाली सांस्कृतिक एकता में है। आज विश्व को केवल आर्थिक शक्ति, सैन्य शक्ति और तकनीकी प्रगति की आवश्यकता नहीं है। उसे ऐसा जीवन-दर्शन भी चाहिए जो मनुष्य को मनुष्य से जोड़ सके।

न्यूयार्क में 29 अगस्त को आयोजित 'एक विश्व, एक मानवता' कार्यक्रम में उनका संबोधन ऐसे समय हुआ, जब संघ को लेकर भारत ही नहीं, विदेशों में भी अनेक धारणाएं, आरोप और पूर्वाग्रह सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने हुए हैं। ऐसे वातावरण में भागवत ने जिस प्रकार विविधता, संवाद, सेवा, सह–अस्तित्व और मानवीय एकात्मता को केंद्र में रखा, उसने संघ की विचारधारा को उसके समर्थकों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक समाज के सामने भी एक अलग दृष्टि से प्रस्तुत किया। यह यात्रा इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि संघ अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है और उसके विचार अब भारत की सीमाओं से बाहर भी व्यापक चर्चा का विषय बन रहे हैं। भागवत का अमेरिका जाना वस्तुत: संघ के विचार को प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से समझाने का अवसर बना। संघ के बारे में भारत में लंबे समय से दो विपरीत धारणाएं दिखाई देती रही हैं।

देश | दुनीया से

पंजाब में चुनावी वादों के बीच भरोसा तलाशते

पिछले सप्ताहांत से पंजाब में सिर्फ़ मौसम ही नहीं बदल रहा है। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून, जो राज्य और देश के बाकी हिस्सों का पेट भरने वाली ज़मीन को सींचता है, हर साल की तरह समाप्ति पर है। इसके साथ ही हिंदू कैलेंडर का 'सावन' माह भी बीत गया। इसलिए, कल रात जब 'सावन' की आखिरी पूर्णिमा-यानी 'रक्खड़ पुन्या' या रक्षाबंधन-पर पूरा चांद निकला, तो उसकी चांदी सी चमक में आने वाले मौसम का राज़ भी छिपा था : कुछ ही महीनों बाद, सर्दियों में होने वाले विधानसभा चुनावों में पंजाब का ताज़ किसके सिर सजेगा? ऐतिहासिक बाबा बकाला गुरुद्वारे में-जहां 1664 में नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर की पहचान उजागर हुई थी- 'रक्खड़ पुन्या' के मौके पर चुनावी सरगर्मी शुरू हो गई। इस दिन पारंपरिक रूप से होने वाली रैलियों में सभी सियासी दलों ने ताकत दिखाई। पहली बार बीजेपी ने भी रैली की, जिससे संकेत मिला कि वह पंजाब में फिर वापसी करना चाहती है– चाहे अपने पुराने सहयोगी शिरोमणि अकाली दल से मिलकर या अकेले। चुनाव में छह महीने बचे हैं और 'इंडिया टुडे' ग्रुप के 'मूड ऑफ़ द नेशन' पोल ने उल्टी गिनती को और तेज़ कर दिया है। इस पोल से पता चलता है कि बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए, पंजाब सहित वोट शेयर में 45.1 फीसदी के साथ काफी आगे है, जबकि इंडिया गठबंधन का वोट शेयर 39.1 प्रतिशत है-जाहिर है, यहां प्रधानमंत्री मोदी को कोई चुनौती नहीं है। लेकिन बारीकी से राजनीति पर नज़र रखने वाले लोग देखेंगे कि एनडीए का वोट शेयर इस जनवरी में अनुमानित 47 प्रतिशत से 2 फीसदी कम हो गया है और यह एक साल पहले रहे 46.7 प्रतिशत से भी कम है। तो अगले साल की शुरुआत में पंजाब के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड में होने वाले चुनावों के लिए इसका क्या मतलब है? निश्चित रूप से, बीजेपी 2024 के लोकसभा चुनावों से चली आ रही अपनी जीत की लय को बनाए रखने के लिए पूरी तरह तैयार है - तब से उसने कई राज्यों में शानदार जीत हासिल की है, चाहे वह हरियाणा हो, महाराष्ट्र, दिल्ली, बिहार हो या पश्चिम बंगाल। अब बीजेपी पंजाब जीतना चाहती है। उसे मालूम है कि वह उत्तर प्रदेश जीत सकती है, भले ही राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना हो; मणिपुर में भी जीत सकती है, भले ही वहां तीन साल से जातीय संघर्ष चल रहा है व अभी तक सुलझा नहीं; गोवा में भी, जहां वह लगातार तीन बार जीत चुकी। बंगाल जीतने के बाद, अब बीजेपी की महत्वाकांक्षा देश के दूसरे छोर तक फैल गई। इसीलिए, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान लोगों से अपील करने बाबा बकाला गए और कहा, हमें वोट दें, हम आपकी समस्याएं हल करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी से लेकर कई लोग पंजाब को कुछ समय से यही संदेश दे रहे हैं। हम आपका कर्ज माफ़ करेंगे, सीमा पार से ड्रोन के जरिए आने वाले नशों को रोकेंगे, खेती को बेहतर बनाएंगे, स्कूल ठीक करेंगे, सड़कें बनाएंगे और हरियाणा व राजस्थान के साथ पानी के बंटवारे का मुद्दा सुलझाएंगे। अनकहा संदेश? बीजेपी को वोट दें। बेशक, पंजाब में कुछ खास बात है। यहां के लोग असाधारण दरियादिली दिखाते हैं- जैसे दिल्ली में सीजेपी प्रदर्शनकारियों की मदद के लिए गुरुद्वारों का खुलना और हाल के हफ़्तों में असम में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए पंजाबियों का जाना- ऐसी दरियादिली देश के किसी दूसरे राज्य में नहीं दिखती। इसकी सीमा एक मुश्किल पड़ोसी से लगती है, लेकिन यह समझ नहीं आता कि बीजेपी करतारपुर साहिब कॉरिडोर को फिर से क्यों नहीं खोल रही। बंगाल के उलट - आजादी के बाद उसका रिश्ता भी आजादी के बाद के 80 सालों में ज़्यादातर समय दिल्ली के साथ कांटे का रहा है, सिवाय पिछले कुछ महीनों के- पंजाब को दो बार बांटा गया- हिमाचल प्रदेश और हरियाणा के रूप में - और आतंकवाद, उद्योगों के पलायन और हरित क्रांति के विपरीत प्रभाव ने इसकी अपनी छवि को और कमज़ोर किया है। पंजाबियों का एक शब्द है, जिसे वे कई स्थितियों के लिए काफी इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह उनके वजूद की सबसे गहरी भावना से जुड़ा है - वह शब्द है 'धक्का', मतलब- 'मुझसे ज़बरदस्ती मत करो'। मसलन, 'मेरे तों धक्के नाल कम ना कराओ। यानी, मुझे मेरी मर्ज़ी के ख़िलाफ़ कुछ करने के लिए मजबूर न करें'। यह एक ऐसा वाक्यांश है जिसे पंजाब को जीतने की चाह रखने वाले हर राजनीतिक दल को याद रखना चाहिए और अपने अंदरूनी दस्तावेज़ों में इसे एक नारे के तौर पर इस्तेमाल करना चाहिए। इस कहानी का बिना मांगा सबक यह है कि पंजाब के 2.1 करोड़ वोटरों को - जो अब 1.9 करोड़ रह गए हैं, क्योंकि गहन मतदाता पुनरीक्षण की छलनी से गुज़रने के बाद लगभग 20 लाख वोटर छंट चुके हैं - धर्म (सिख, हिंदू), जाति (जाट, खत्री, रविदासिया, रामदासिया, वाल्मीकि आदि), डेरों (राधा स्वामी, सचखंड बल्लां, सच्चा सौदा आदि), धर्मगुरुओं (संत निरंजन दास, राम रहीम) के आधार पर बांटकर आप मान लें कि इनके वोटों को इकट्ठा कर सकेंगे। जिस राज्य को आप जीतना चाहते हैं, उसे बदनाम न करें, यह कहकर कि स्कूलों की हालत खराब है, कॉलेज का हाल और भी बुरा है, बुड्ढा दरिया एक गंदा नाला बन है, उद्योग बेघर बाहर होकर दूषित पानी इसमें डाल रहे, गुंडागर्दी और नशे का बोलबाला है- भले ही इनमें से अधिकांश सच हों। अगर आप राज्य जीतना चाहते हैं, तो उसे बेहतर बनाने में मदद करें। स्पष्टतः राज्य को आपकी मदद की ज़रूरत है।

आप का | नजरीया

सोलन को मिला ताज

राष्ट्रीय आर्थिक सर्वेक्षण में हिमाचल के जिला सोलन का देश के टॉप पांच जिलों में शरीक होना एक उपलब्धि है और यह संकेत भी कि प्रदेश की आर्थिकी कैसे आगे बढ़ सकती है। चंडीगढ़ से समीपता के कारण सोलन जिला ने बहुआयामी तरक्की की है, खास तौर पर बीबीएन क्षेत्र का औद्योगिक विकास उल्लेखनीय तरक्की का कारण बना है। सोलन कैश क्रॉप के अलावा पर्यटन और खास तौर पर हाई वे टूरिज्म में अव्वल साबित हुआ है। जाहिर तौर पर शिक्षा के हब बनते सोलन ने मानव संसाधन विकास में श्रेष्ठता व दक्षता हासिल की है, जबकि स्वरोजगार व व्यापार की दृष्टि में जिला ने शहरी विकास का महत्त्व रेखांकित किया है। जिला में प्रति व्यक्ति आय 8.10 लाख रुपए आंकी गई है जो राष्ट्रीय औसत से कहीं आगे है। आर्थिक कत्र्तव्य पथ पर खड़े सोलन ने अपनी उपलब्धियों से पूरे प्रदेश को भी सींचा है, क्योंकि रोजगार के लिहाज से बीबीएन में करीब चार लाख लोगों को अवसर मिल रहे हैं। ऐसे में जबकि सोलन जिला के माध्यम से हिमाचल के आर्थिक संबोधन तय हो रहे हैं, यह जरूरी है कि हम विकास के इस पथ को और चौड़ा करें। हम पहले भी कहते रहे हैं और अब पुनः दोहरा देते हैं कि बीबीएन को प्रदेश की आर्थिक राजधानी के रूप में दर्जा व महत्त्व मिलना चाहिए। इसके लिए वित्तीय संस्थाओं के मुख्यालय यहां शिफ्ट होने चाहिएं तथा औद्योगिक संगठन व कार्यालयों का संचालन भी यहीं से होना चाहिए। सोलन जिला ने आर्थिक मुकुट पहनकर प्रदेश के बाकी जिलों को भी तरक्की, विकास और आगे बढने का आगाज सौंपा है। प्रदेश के सीमांत क्षेत्रों पर औद्योगिक गलियारा विकसित किया जाए, तो बाकी जिला भी आर्थिक नक्शे पर खुशहाल होंगे। कभी पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वाई एस परमार ने काला अंब, परवाणू, नालागढ़, मैहतपुर से संसारपुर टैरस तक एक औद्योगिक पट्टी विकसित की थी। आज इसकी रूपरेखा बढ़ाते हुए सारे सीमांत क्षेत्र को औद्योगिक गलियारा बना देना चाहिए। इसी तरह हिमाचल के मध्यम भाग में शिक्षा के हब, कृषि-बागबानी तथा ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पर्यटन को तवज्जो दें, तो आर्थिक ढांचा और सुदृढ़ होगा। प्रदेश की ग्रामीण आर्थिकी को संबल देने के लिए जैव खेती का प्रचलन कारगर साबित हुआ है, जबकि वर्तमान सुक्खू सरकार ने मक्की व हल्दी के समर्थन मूल्य बढ़ा कर किसान की आय को प्रोत्साहित किया। इसी तरह दुग्ध उत्पादन की खरीद दरें बढ़ा कर सरकार ने डेयरी क्षेत्र को आशाजनक बना दिया है। सारे हिमाचल को सोलन की तर्ज पर समृद्ध बनाने की चुनौती पर कनेक्टिविटी से काफी मदद मिलेगी। फोरलेन परियोजनाओं के अलावा कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार योजना से क्षेत्रीय आर्थिकी का विस्तार होगा। कांगड़ा को टूरिज्म कैपिटल बनाने के सारे उद्देश्य पूरे हो जाएं, तो निश्चित रूप से जिला में प्रति व्यक्ति आय का विस्तार होगा। प्रदेश में रोजगार के साधन बढ़ाने के हर प्रयास से प्रति व्यक्ति आय में विस्तार होगा। प्रदेश में उद्योगों के अलावा अगर आईटी पार्क, ट्रांसपोर्ट नगर तथा फिल्म सिटी जैसी परियोजनाओं पर काम करें तो निश्चित रूप से जीडीपी में बढ़ोतरी के साथ-साथ प्रति व्यक्ति आय व व्यय में भी वृद्धि होगी।

चंडीगढ़ से समीपता के कारण सोलन जिला ने बहुआयामी तरक्की की है, खास तौर पर बीबीएन क्षेत्र का औद्योगिक विकास उल्लेखनीय तरक्की का कारण बना है। सोलन कैश क्रॉप के अलावा पर्यटन और खास तौर पर हाई वे टूरिज्म में अव्वल साबित हुआ है। जाहिर तौर पर शिक्षा के हब बनते सोलन ने मानव संसाधन विकास में श्रेष्ठता व दक्षता हासिल की है, जबकि स्वरोजगार व व्यापार की दृष्टि में जिला ने शहरी विकास का महत्त्व रेखांकित किया है। जिला में प्रति व्यक्ति आय 8.10 लाख रुपए आंकी गई है जो राष्ट्रीय औसत से कहीं आगे है। आर्थिक कत्र्तव्य पथ पर खड़े सोलन ने अपनी उपलब्धियों से पूरे प्रदेश को भी सींचा है, क्योंकि रोजगार के लिहाज से बीबीएन में करीब चार लाख लोगों को अवसर मिल रहे हैं। ऐसे में जबकि सोलन जिला के माध्यम से हिमाचल के आर्थिक संबोधन तय हो रहे हैं, यह जरूरी है कि हम विकास के इस पथ को और चौड़ा करें। हम पहले भी कहते रहे हैं और अब पुन: दोहरा देते हैं कि बीबीएन को प्रदेश की आर्थिक राजधानी के रूप में दर्जा व महत्त्व मिलना चाहिए। इसके लिए वितीय संस्थाओं के मुख्यालय यहां शिफ्ट होने चाहिएं तथा औद्योगिक संगठन व कार्यालयों का संचालन भी यहीं से होना चाहिए। सोलन जिला ने आर्थिक मुकुट पहनकर प्रदेश के बाकी जिलों को भी तरक्की, विकास और आगे बढने का आगाज सौंपा है। प्रदेश के सीमांत क्षेत्रों पर औद्योगिक गलियारा विकसित किया जाए, तो बाकी जिला भी आर्थिक नक्शे पर खुशहाल होंगे। कभी पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वाई एस परमार ने काला अंब, परवाणू, नालागढ़, मैहतपुर से संसारपुर टैरस तक एक औद्योगिक पट्टी विकसित की थी।

कुछ | अलग

श्रीकृष्ण की लीलाओं में मनुष्यत्व का उजास

योगेश्वर, लीलाधर, सम्पूर्ण पुरुष, माखनचोर, चितचोर और... भगवान श्रीकृष्ण के भक्त उनको लिए ऐसे अनेक संबोधनों का प्रयोग करते हैं। दूसरी ओर, दार्शनिक चर्चाओं में इस बात को अलग से और खास तौर पर रेखांकित किया जाता है कि समाजवादी चिंतक डॉ. राममनोहर लोहिया ने अपने लब्धप्रतिष्ठ निबंध 'राम, कृष्ण और शिव' में उन्हें राम-कृष्ण के साथ भारत में पूर्णता के तीन महान स्वप्नों में से एक बताया है। साथ ही कहा है कि भले ही ये तीनों स्वप्न एक-दूसरे के विपरीत व अलग-अलग दिखते हैं, इनमें इस देश के रंग, सपने और उदासी एक साथ झलकते हैं। उन्होंने आगे लिखा है कि 'राम ने निरंतर देव बनने की तो कृष्ण ने लगातार मनुष्य बनने की कोशिशें कीं और 'सम्पूर्ण पुरुष' बने। भगवान होते हुए भी वे हर पल एक साधारण और जीवंत मनुष्य की तरह पेश आए। विकट से विकट परिस्थितियों में भी उनके चेहरे पर मुस्कान व आनंद बने रहे।

दृष्टि | कोण

महंगाई नियंत्रण की कारगर रणनीति जरूरी

इन दिनों महंगाई पर प्रकाशित हो रही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में भारत में महंगाई बढने से आम आदमी के जीवन की मुश्किलें बढने संबंधी चिंताएं प्रस्तुत की जा रही हैं। हाल ही में 27 अगस्त को क्रेडिट रेटिंग एजेंसी एस एंड पी ग्लोबल ने मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण ऊंची ऊर्जा कीमतों और अल नीनो से प्रभावित कमजोर मानसून की चुनौतियों की वजह से चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत में खुदरा महंगाई (सीपीआई) के बढक़र 5.1 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान जताया है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति सहित प्रमुख आर्थिक एजेंसियों ने भारत में खुदरा महंगाई बढने की चेतावनी दी है। एचडीएफसी बैंक ने सितंबर से खुदरा महंगाई दर लगातार 5 प्रतिशत से ऊपर रहने का अनुमान लगाया है। ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स व जेपी मॉर्गन ने खाद्य और कच्चे तेल की बढ़ती लागत के कारण महंगाई में और वृद्धि की चिंता जाहिर की है। एसबीआई इकोरैप रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जो खुदरा महंगाई अगस्त में 4.7 प्रतिशत अनुमानित है, वह अक्टूबर-नवंबर में 6 प्रतिशत के पार पहुंच सकती है। ऐसे में सरकार के द्वारा महंगाई नियंत्रण के और अधिक कारगर रणनीतिक कदम जरूरी दिखाई दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अगस्त 2026 में भारतीय बाजार में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया है। मौसम की अनिश्चितता और फसल प्रभावित होने से चीनी के खुदरा भाव ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। सीमित आपूर्ति के कारण प्याज के दाम पिछले साल की तुलना में तेजी से बढ़े हैं। इसके अलावा सरसों तेल, रिफाइंड तेल और दालों के दाम भी ऊंचे स्तर पर बने हुए हैं। त्योहारों के मौसम में मांग बढने, चारे की लागत और परिवहन खर्च में वृद्धि के कारण दूध, मिठाइयों, पैकबंद खाद्य पदार्थों और पैकड चाय की कीमतों में और बढ़ोतरी होने की आशंका जताई जा रही है। यह परिदृश्य स्पष्ट संकेत देता है कि कमजोर मानसून और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतें आने वाले महीनों में आम नागरिक के बजट पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती हैं। हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में जुलाई महीने में खुदरा महंगाई दर बढक़र 4.45 प्रतिशत हो गई है, जो जून में 4.38 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 4 प्रतिशत के तय लक्ष्य से ऊपर बना हुआ है। महंगाई में इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें हैं। निश्चित रूप से खाद्य वस्तुओं की बढ़ती महंगाई के कारण आम आदमी की थाली महंगी हो गई है। जीवन निर्वाह लागत बढ़ गई है। क्रिसिल की अगस्त 2026 की रिपोर्ट के अनुसार जुलाई 2026 में घर पर बनने वाली शाकाहारी थाली की औसत लागत सालाना आधार पर 4 प्रतिशत बढक़र 29.1 रुपए हो गई। यह पिछले 7 महीनों का उच्चतम स्तर है। वहीं, मांसाहारी थाली की कीमत 9 प्रतिशत बढक़र 58.3 रुपए पर पहुंच गई। थाली महंगी होने का मुख्य कारण प्याज, खाद्य तेल और रसोई गैस की दरों में वृद्धि है। इस परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद देश में महंगाई, आर्थिक स्थिति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि से जुड़ी तस्वीर पेश करते हुए कहा कि वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल और कमजोर मानसून की चुनौतियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई का अनुमान 5.0 प्रतिशत कर दिया है। जहां खाद्य वस्तुओं के क्षेत्र में महंगाई में

जयपुर निगम चुनाव में भाजपा का सोशल इंजीनियरिंग कार्ड

52 महिला और 8 मुस्लिम चेहरों पर दांव

जयपुर (हिंस)। जयपुर नगर निगम चुनाव भले ही स्थानीय निकाय की सियासत माना जा रहा हो,लेकिन भाजपा के टिकट वितरण ने इसके राजनीतिक मायने बढ़ा दिए हैं। पार्टी ने प्रत्याशियों के चयन में महिला और मुस्लिम प्रतिनिधित्व को प्रमुखता देकर सामाजिक संतुलन साधने के साथ राजनीतिक विस्तार का संदेश देने की कोशिश की है। भाजपा की ओर से जारी 150 में से 145 प्रत्याशियों की सूची में 52 महिला और 8 मुस्लिम चेहरों को जगह दी गई है। भाजपा के इस टिकट वितरण को पार्टी की व्यापक सामाजिक पहुंच बढ़ाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। खासतौर पर मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के साथ सामान्य वार्डों में भी मुस्लिम चेहरों को मौका देकर भाजपा ने अपने राजनीतिक दायरे के विस्तार का संकेत दिया है। वहीं महिला प्रत्याशियों की संख्या के जरिए पार्टी ने महिला नेतृत्व को चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा बनाया है। वहीं सबसे ज्यादा चर्चा मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र की है। यहां पूर्व डिप्टी मेयर पुनीत कर्णावट और कुलदीप मिश्रा के नाम को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। सूची में पुनीत कर्णावट का नाम आने के बावजूद विधायक कालीचरण सराफ की ओर से कुलदीप मिश्रा को सिंबल दिए जाने की बात सामने आई है। अब प्रदेश नेतृत्व मामले को सुलझाने में जुटा है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने कहा कि पार्टी ने मजबूत, जिताऊ और टिकाऊ उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। प्रत्याशियों के चयन को लेकर सभी स्तरों पर विचार-विमर्श किया गया और सहमति से निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि शेष पांच नामों को लेकर कोई विवाद नहीं है और पार्टी जल्द ही बाकी प्रत्याशियों की घोषणा करेगी। वहीं भाजपा ने जारी 145 नामों में 8 मुस्लिम चेहरों को टिकट दिया है। इनमें वार्ड 19 से शहनवाज अंसारी, वार्ड 109 से जाकिर खान कायमखानी, वार्ड 113 से फरीदुद्दीन जैकी, वार्ड 117 से शब्बो जहां, वार्ड 128 से माजिद पठान, वार्ड 136 से मिजाना मिर्जा, वार्ड 137 से रहीस मंसूरी और वार्ड 146 से अफसाना शामिल हैं। इनमें वार्ड 19 जैसी सामान्य सीट से शहनवाज अंसारी को टिकट दिए जाने की सबसे ज्यादा चर्चा है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने कहा कि पार्टी सभी वर्गों और विचारों को साथ लेकर आगे बढ़ने में विश्वास रखती है। टिकट वितरण में भी इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखा गया है और ऐसे उम्मीदवारों को मौका दिया गया है, जिनकी अपने वार्ड में मजबूत पकड़ और जीतने की क्षमता है। इधर भाजपा ने 145 घोषित सीटों में 52 महिलाओं को प्रत्याशी बनाया है। पार्टी के अनुसार यह संख्या करीब 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के दायरे से आगे है। महिला प्रत्याशियों को केवल आरक्षित सीटों तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि कई सामान्य और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण वार्डों में भी महिला चेहरों पर भरोसा जताया गया है। पार्टी की रणनीति में महिला मतदाता भी महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। स्थानीय निकाय चुनाव में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और परिवार स्तर पर उनके प्रभाव को देखते हुए भाजपा महिला प्रत्याशियों के जरिए महिला नेतृत्व और महिला सम्मान का राजनीतिक संदेश मजबूत करने की कोशिश कर रही है। गौरतलब है कि वार्ड 4 पिंकी देवी शर्मा, 6 स्नेहलता साबू, 7 पूजा, 8 सुमन अग्रवाल, 9 मंजू अग्रवाल, 10 पलक यादव, 20 डॉ. उदिता सिंह चौहान, 25 चंचल कंवर, 26 श्रवणी देवी, 32 श्वेता सुरोलिया, 33 सीमा यादव, 46 शिवकांता पांडे, 47 दीपा नाथावत, 56 रेखा सैनी, 58 सरोज वर्मा, 59 बबली वर्मा, 69 पूनम चोयल, 70 सुशीला देवी, 71 निशा गौड़, 72 गड्डू, 73 जयश्री गर्ग, 75 पूजा सन्मुखानी, 80 दलजीत कौर, 82 ममता यादव, 86 उषा टाटीवाल, 87 प्रतिभा शर्मा, 88 शशि कुमारी मिश्रा, 90 सरोज कंवर, 92 शीला शर्मा, 94 सुनीता मेहरा, 100 कविता शर्मा, 107 अनुराधा माहेश्वरी, 108 मीनाक्षी पारीक, 110 ज्योति खंडेलवाल, 116 लक्ष्मी देवी कोली, 123 पूनम मेहता, 124 मनभरी देवी, 125 लक्ष्मी देवी उज्जैनिया, 126 रीमा उमरवाल, 133 सीमा पारीक, 138 ममता, 139 रेनू खंडेलवाल, 142 मंजू महावर, 143 निधि सैनी, 145 वंदना जोशी, 148 मीनू सैनी, 149 सीनू पारीक और 150 शालू मीणा को टिकट दिया गया है। वार्ड 19 शहनवाज अंसारी, 117 शब्बो जहां, 136 मिजाना मिर्जा और 146 अफसाना मुस्लिम महिला प्रत्याशियों में शामिल हैं। भाजपा के लिए टिकट वितरण के बाद अगली चुनौती इन प्रत्याशियों को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की होगी। मुस्लिम प्रत्याशियों के जरिए अल्पसंख्यक इलाकों में पहुंच बढ़ाने और महिला चेहरों के जरिए महिला मतदाताओं को जोड़ने की रणनीति कितनी सफल होगी, यह चुनाव परिणाम बताएंगे। फिलहाल भाजपा की सूची में महिला और मुस्लिम प्रतिनिधित्व को महज टिकट वितरण नहीं, बल्कि सामाजिक आधार विस्तार की चुनावी रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

शहरी निकाय चुनाव के मद्देनजर शहर में हथियारबंद नाकाबंदी

जोधपुर (हिंस)। शहरी निकाय चुनाव के मद्देनजर जोधपुर कमिश्नरेट पुलिस पूरी तरह सतर्क हो गई है। पुलिस कमिश्नर अंशुमान भोमिया के निर्देश पर सोमवार सुबह 7 से 11 बजे तक कमिश्नरेट के सभी थाना क्षेत्रों में हथियारबंद नाकाबंदी की गई। इस दौरान पुलिस जवानों ने दुपहिया एवं चार पहिया वाहनों की सघन जांच करते हुए संदिग्ध वाहनों की तलाशी ली। डीसीपी मुख्यालय शाहीन सी, डीसीपी पश्चिम कमल शेखावत एवं डीसीपी पूर्व मनीष चौधरी के पर्यवेक्षण में की गई नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों पर विशेष नजर रखी। नाकाबंदी स्थलों पर पुलिस जवानों ने आने-जाने वाले वाहनों को रोककर उनकी जांच की तथा आवश्यक दस्तावेजों की भी पड़ताल की। चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने और असामाजिक तत्वों पर प्रभावी निगरानी रखने के उद्देश्य से पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाएगी।

ईडी के सामने पेश नहीं हुए पंजाब के पूर्व मुख्य सचिव, अतिरिक्त समय मांगा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के पूर्व मुख्य सचिव अनुराग वर्मा ने मोहाली स्थित सनटेक सिटी और अल्टस स्पेस बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े कथित घोटाले की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश होने के लिए अतिरिक्त समय मांगा है। उन्हें 31 अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन वह जांच अधिकारियों के सामने पेश नहीं हुए और स्थगन की मांग करते हुए पत्र भेजा। ईडी की ओर से उन्हें जल्द ही नया समन जारी किए जाने की संभावना है। वर्मा फिलहाल राजस्व विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत हैं। कथित घोटाले के समय वह आवास एवं शहरी विकास विभाग के प्रमुख थे। जांच एजेंसी उनकी भूमिका की जांच कर रही है, खास तौर पर भूमि उपयोग परिवर्तन की मंजूरी और निजी बिल्डरों को लाभ पहुंचाने के लिए लेआउट में कथित अनियमित बदलावों के संबंध में। जांच में यह आरोप भी सामने आया है कि अनधिकृत लेआउट में बदलाव के बाद मेगा प्रोजेक्ट म्यूरवुड्स इकोसिटी की ग्रुप हाउसिंग साइटों को ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी को हस्तांतरित करने के आवेदन को खारिज कर दिया गया और बाद में इन्हें गौरव धीर की कंपनी धीर कंस्ट्रक्शंस को स्थानांतरित किया गया। इस मामले में आईएएस अधिकारी कंवल प्रीत बराड़ भी ईडी के जालंधर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में दो बार पेश हो चुके हैं।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर एफआईआर के विरोध में कांग्रेस ने किया रोष प्रदर्शन

गुरुग्राम (हिंस)। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी गुरुग्राम (शहरी एवं ग्रामीण) द्वारा सोमवार शाम को जोरदार रोष प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन कमान सराय स्थित कांग्रेस कार्यालय से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए गुजरा। प्रदर्शन का नेतृत्व गुड़गांव जिला शहरी अध्यक्ष पंकज डावर व ग्रामीण जिला अध्यक्ष वर्धन यादव ने किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हाथों में तख्तियां और राहुल गांधी के समर्थन में नारे लगाते हुए कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह एफआईआर राजनीतिक द्वेष से प्रेरित है और विपक्ष की आवाज को दबाने की साजिश है। इस मौके पर बड़ी संख्या में कांग्रेस के सेंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर ने कहा कि आज देश में लोकतंत्र खतरे में है। राहुल गांधी जी गरीब, किसान, मजदूर और युवाओं की आवाज उठा रहे हैं, इसलिए भाजपा उन्हें एफआईआर से डराना चाहती है। भाजपा यह समझ ले, कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता राहुल गांधी के साथ खड़ा है। यह एफआईआर नहीं, भाजपा की डर की निशानी है। जब-जब राहुल गांधी ने सच बोला है, तब-तब सरकार ने जांच एजेंसियों और एफआईआर का सहारा लिया है, लेकिन हम झुकने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भी कांग्रेस पूरी ताकत से सड़कों पर उतरेगी और इस तानाशाही के खिलाफ लड़ाई लड़ेगी। ग्रामीण जिला अध्यक्ष वर्धन यादव ने कहा कि यह सिर्फ राहुल गांधी जी पर एफआईआर नहीं है, यह देश के लोकतंत्र पर हमला है। कांग्रेस का कार्यकर्ता डरने वाला नहीं है। हमारे नेता ने भारत जोड़ो यात्रा से देश को जोड़ा है, और भाजपा तोड़ने का काम कर रही है। तानाशाही के खिलाफ इस लड़ाई को हम मजबूती से लड़ेंगे। आज का यह रोष प्रदर्शन सिर्फ शुरुआत है। अगर यह एफआईआर वापस नहीं हुई तो हम पूरे जिले में बड़े आंदोलन करेंगे। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने यह मुकदमा वापस नहीं लिया तो कांग्रेस पूरे हरियाणा में उग्र आंदोलन करेगी। इस अवसर पर यूथ कांग्रेस हरियाणा अध्यक्ष निशित कटारिया, सुनीता सहरावत, सूबे सिंह यादव, सीमा पाहुजा, सीमा हुड्डा, कुलराज कटारिया, कुलदीप गुज्जर, राजेश यादव बादशाहपुर, शाहीन शम्स, सतबीर पहलवान, सुखबीर तंवर, सुनील यादव, शैलेश खटाना, अशोक उल्लावास, अमित कोचर, राजपाल यादव, भोले गुज्जर, नरेश वशिष्ठ, शहजाद खान, दीपेश कौशिक, पंकज मेहंदीरता, राहुल जैलदार, रमाकांत शर्मा, तपन दास समेत अनेक लोग मौजूद थे।

बसपा प्रमुख मायावती ने पदाधिकारियों संग किया चुनावी मंथन, विरोधियों की लुभावनी रेवड़ियों-वादों से किया सावधान

लखनऊ (हिंस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने जनता से अपील की है कि विरोधी दलों के लुभावने वादों और विश्वासघात आदि से बचकर चुनाव में अपनी मर्जी से स्वतंत्र व निष्पक्ष होकर वोट करें, जो देश व जनहित में अति आवश्यक है। उन्होंने पदाधिकारियों से विरोधी दलों की चुनावी रेवड़ियों से सावधानी रहने का भी आग्रह किया। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बसपा प्रमुख मायावती ने सोमवार को लखनऊ के माल एवेन्यू स्थित पार्टी के राज्य मुख्यालय में बैठक की। इस बैठक में उत्तर प्रदेश स्टेट, मंडल यूनिट व सभी 75 जिलों के जिला अध्यक्षों सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ अहम बैठक में खासकर पार्टी उम्मीदवारों के चयन की प्रगति समेत आगामी विधानसभा आमचुनाव की तैयारियों की गहन समीक्षा की। इसके अलावा इस बैठक में यूपी संगठन की पिछली दो बैठकों में वोटर लिस्ट की चुनाव आयोग द्वारा हुये एसआईआर उपरान्त पोलिंग बूथ स्तर तक की कमेटियों के पुनर्गठन को युद्ध स्तर पर पूरा किये जाने की स्थिति की समीक्षा की। उनके द्वारा कमियों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए। पार्टी संगठन संबंधी मंडलवार प्रगति रिपोर्ट लेने के बाद मायावती ने बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि चुनावी स्वार्थ के लिए वोटिंग पूर्व महिलाओं आदि को अनेकों प्रकार के निजी लाभ पहुंचाने वाली रेवड़ियों सहित विभिन्न प्रकार के लुभावने वादे एवं घोषणाओं के माध्यम से चुनावों को गलत रूप से प्रभावित किया जाता है। लेकिन चुनाव बाद सरकार बनने पर देश भर के राज्यों में जो जनता से वादाखिलाफी हो रही है, उससे विशेषकर प्रदेश की जनता को आगाह करना जरूरी है, ताकि लोग विरोधी पार्टियों के ऐसे छलावों व विश्वासघात आदि से बचकर चुनाव में अपनी मर्जी के हिसाब से स्वतंत्र व निष्पक्ष होकर वोट कर सकें, जो देश व जनहित में अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में चुनाव के बाद सरकार बन जाने पर ऐसी ही लगातार वादाखिलाफी, विश्वासघात व जनहित व जनकल्याण के प्रति गैर-जिम्मेदारी आदि के विरुद्ध बसपा के संघर्ष के साथ-साथ जेन-जी व जेन-अल्फा तक को ऐसे जनविरोधी रवैयों के कारण संघर्ष के लिए उतरकर पुलिस मुकदमा आदि जैसे सरकारी दमन का सामना करना पड़ रहा है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि वास्तव में महंगाई के साथ-साथ गरीबी, बेरोजगारी व पिछड़ेपन आदि के कारण मजबूरी के पलायन से यूपी की जनता त्रस्त है। इसके निदान के लिए सरकार जो भी घोषणाएं कर रही है वह ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। यह समाधान का कम व चुनावी छलावा ज्यादा लगता है, क्योंकि जनहित व जनकल्याण का दायित्व अनवरत निभाना सभी सरकारों की संवैधानिक जिम्मेदारी है, जिसको हर वर्ष जारी रखना है। बसपा ने अपनी सरकारों में बिना मुहुर्त ओर चुनाव की प्रतीक्षा किए बिना लगातार मदद करके दिखाया है, जो किसी से छिपा नहीं बल्कि सर्वविदित है। मायावती ने कहा कि 9 अक्तूबर को बसपा के संस्थापक मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि है। इस अवसर पर होने वाले सभी कार्यक्रम को पूरी मिशनरी भावना से आयोजित किए जाए। इस वर्ष यह कार्यक्रम केवल लखनऊ में कांशीराम स्मारक स्थल में होगा, जहां पश्चिम यूपी सहित पूरे प्रदेश भर के लोग एकत्र होकर अपनी श्रद्धांजलि एवं श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। वहीं, यूपी-दिल्ली सीमा पर स्थापित *बहुजन प्रेरणा केंद्र* में रख-रखाव का सरकारी कार्य चल रहा और इस दौरान लोगों की भीड़ एकत्र होने पर किसी दुर्घटना आदि की संभावना से बचा जा सके। इसीलिए इस वर्ष पश्चिम यूपी के लोग भी, यूपी के अन्य मंडल के लोगों की तरह, राजधानी लखनऊ आकर कांशीराम स्मारक स्थल पर श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पड़ोसी देश नेपाल में बाढ़ के प्रलय में भारतीयों सहित जान-माल की हुई भारी हानि अति-दुखद व पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी सहानुभूति प्रकट की है। उन्होंने कहा कि उसके फलस्वरूप यूपी में भी बाढ़ की विभीषिका के प्रति केंद्र व राज्य सरकारों को सभी प्रभावित लोगों की हर प्रकार से मदद को तुरंत आगे आना चाहिए।

हरियाणा : सात साल में सड़क हादसों में 22 हजार की मौत

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा की स्टेट हाईवे और जिला सड़के पिछले सात साल से ज्यादा समय में 22 हजार के करीब जिंदगियां निगल चुकी हैं। कैथल से कांग्रेस विधायक आदित्य सुरजेवाला के सड़क हादसों से जुड़े सवाल के जवाब में सरकार ने विधानसभा में 2019 से जुलाई 2026 तक का आंकड़ा रखा है। इसके मुताबिक इस अवधि में स्टेट हाईवे और जिला सड़कों पर कुल 47,370 सड़क हादसे हुए और इनमें 21,996 लोगों की मौत हुई, जबकि 37,634 लोग घायल हुए। सवाल में सरकार से इन्हीं दो श्रेणियों की सड़कों पर हादसों, मृतकों और घायलों का जिला-वार एवं वर्ष-वार ब्योरा मांगा गया था। आंकड़ों की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हर साल औसतन करीब 6,000 से ज्यादा हादसे और करीब 2,750 मौतें इन सड़कों पर दर्ज हुईं। यानी औसतन हर दिन करीब आठ लोगों की जान गई। यह आंकड़ा 2019 से जुलाई 2026 तक का है और 2026 में आंकड़े केवल जुलाई तक के हैं। सरकार के जवाब में एक साफ तस्वीर यह भी निकलकर आती है कि हादसों का बड़ा हिस्सा जिला सड़कों पर हुआ। 2019 से जुलाई 2026 तक जिला सड़कों पर 33,682 हादसे हुए, जिनमें 14,495 लोगों की मौत और 26,973 लोग घायल हुए। इसके मुकाबले स्टेट हाईवे पर 13,688 हादसों में 7,501 मौतें और 10,661 घायल हुए। यानी कुल हादसों में जिला सड़कों की हिस्सेदारी करीब 71 फीसदी रही, जबकि मौतों में भी जिला सड़कें करीब 66 फीसदी हिस्से के साथ आगे रहीं। 2024 के मुकाबले 2025 में दोनों श्रेणियों की सड़कों पर हादसे बढ़े। 2024 में स्टेट हाईवे और जिला सड़कों पर कुल 5,964 हादसे हुए थे, जिनमें 2,756 मौतें हुईं। 2025 में हादसों की संख्या बढ ?र 6,480 और मौतों की संख्या 3,059 हो गई। यानी एक साल में हादसों में करीब 9 फीसदी और मौतों में करीब 11 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। 2025 में कुल 5,084 लोग घायल हुए। 2026 के जनवरी से जुलाई तक ही स्टेट हाईवे और जिला सड़कों पर 3,821 हादसे हो चुके हैं।

जनता दर्शन : भाई ने बताई बहन की तकलीफ तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तुरंत लोहिया अस्पताल में कराया भर्ती

लखनऊ (हिंस)। *जनता दर्शन* में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानवीय रूप देख अन्य आगंतुक देखते ही रह गए। मुख्यमंत्री योगी का यह रूप देख किसी की भावनाएं आंसुओं के जरिए निकल पड़ीं तो किसी ने अपनी कुर्सी से ही हाथ जोड़कर मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता के प्रति आभार जताया। दरअसल अयोध्या से आए एक भाई-बहन जनता दर्शन में पहुंचे। भाई ने मुख्यमंत्री से बताया कि उनकी बहन गंभीर रूप से बीमार है। वह बहन को लेकर लखनऊ आए हैं। उन्हें जल्द से जल्द इलाज की आवश्यकता है। इस पर मुख्यमंत्री ने पीड़िता को तत्काल लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज भी शुरू हो गया है। अयोध्या से आए श्याम सोनकर ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनकी बहन बबिता कुछ दिनों से अयोध्या में भर्ती थीं। डॉक्टरों ने उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया है। परिवार अत्यंत गरीब है। इसलिए इलाज में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस पर मुख्यमंत्री ने अपने आवास से तत्काल पीड़िता को एंबुलेंस से डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान गोमती नगर भिजवाया। मुख्यमंत्री का निर्देश मिलने के बाद डॉक्टरों की देख-रेख में मरीज का इलाज प्रारंभ हो गया। मुख्यमंत्री ने पीड़िता के परिजनों को जल्द से जल्द आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया। बहन बबिता के एडमिट होते ही उनके भाई श्याम ने चैन की सांस ली। डॉक्टरों को उन्होंने पूरी बीमारी आदि के बारे में विस्तृत रूप से बताया। इलाज की प्रक्रिया प्रारंभ होते ही श्याम की आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने फोन करके मुख्यमंत्री आवास को इसकी जानकारी भी दी और धन्यवाद ज्ञापित किया। *जनता दर्शन* में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण कराकर शासन में उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने आश्वस्त किया कि धन की कमी के कारण किसी का इलाज नहीं रुकेगा। *जनता दर्शन* में एक मासूम अपनी मां के साथ आई थी। योगी ने उनकी मां की समस्या सुनी, फिर बच्ची से मुखातिब हुए और दुलारा-पुचकारा। इसके बाद मुख्यमंत्री ने चॉकलेट मंगाई और उसके सामने रैपर खोलना शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री के हाथ में चॉकलेट देखकर बच्ची खिलखिला उठी। बाबा और बच्ची के संवाद को देख अपना दर्द भूल सभी पीड़ित व अन्य लोग मुस्कुरा उठे।

कांग्रेस की बागी महिला प्रदेश महासचिव ने थामा आरएलपी का दामन

जोधपुर (हिंस)। टिकट नहीं मिलने से नाराज चल रही राजस्थान महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव डॉ. अनीता परिहार ने कांग्रेस छोड़कर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) का दामन थाम लिया है और आरएलपी के सिंबल पर अपना नामांकन दाखिल किया है। नगर निगम चुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशियों की आधिकारिक सूची जारी होने से पहले उनका एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने वार्ड 99 और 100 से पूर्व महापौर कुंती देवड़ा और उनके भाई मयंक देवड़ा को टिकट देने की संभावना पर नाराजगी जताई थी और पार्टी नेतृत्व पर सवाल उठाए थे। परिहार वीडियो में कहा था कि हम मूर्ख कार्यकर्ता हैं, जो पार्टी के कहने पर दिल्ली-जयपुर जाते हैं। जब हमारी बारी आती है तो नेताओं के रिश्तेदार आगे आ जाते हैं। डोटासरा कहते हैं कि वार्ड के व्यक्ति को ही टिकट मिलेगा, लेकिन यहां तो 20-20 किलोमीटर दूर से लोग दावेदारी कर रहे हैं। हालांकि कांग्रेस पार्टी की ओर से इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, और आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

राज्य की भूमि पर किसी को भी गैंग की रंजिश या शरणस्थली नहीं बनने दिया जाएगा : डीजीपी

अंकित बलियान हत्याकांड की जांच में लगी 11 टीमें, एनकाउंटर में मारे गए दो बदमाश

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के शामली जिले में सोमवार सुबह हरियाणवी गायक अंकित बलियान हत्याकांड के दो शूटर मुठभेड़ में मारे गए हैं। इस कार्रवाई में पुलिस दो सिपाही भी घायल हुए। इस मामले में सोमवार दोपहर को लखनऊ स्थित पुलिस मुख्यालय के नवम तल पर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने प्रेसवार्ता कर कई अहम जानकारी साझा की है। इस दौरान उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि प्रदेश की सीमा से बाहर बैठकर या जेलों व विदेशों से साजिश रचने वाले और शूटर भेजने वाले अपराधी किसी भी गलतफहमी में न रहे। राज्य की भूमि पर किसी को भी गैंग की रंजिश या शरणस्थली नहीं बनने दिया जाएगा। अपराधिक घटनाओं और साजिशों के खिलाफ यूपी पुलिस कठोर कार्रवाई कर रही है, आगे भी जारी रहेगी। कानून के लंबे हाथ उन सभी अपराधियों तक जरूर पहुंचंगे, जो कहीं भी छिपने की कोशिश कर रहे हैं। डीजीपी ने शामली जिले में एनकाउंटर में मारे गए बदमाशों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीरो टॉलरेंस के तहत अपराध और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश के तहत पुलिस लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में शामली में बीते दिनों हुई अंकित बलियान की हत्या की घटना का सफल खुलासा किया गया है। उन्होंने बताया कि शामली निवासी हरियाणवी सिंगर अंकित बलियान की 26 अगस्त को कोतवाली क्षेत्र में नालापटरी स्थित फिटनेस जिम से बाहर निकलते समय हथियार बंद बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पिता सतवीर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया। इस मामले को गंभीरता से लेकर एडीजी लॉ एंड आर्डर, एडीजी मेरठ जोन द्वारा 11 पुलिस अधिकारियों की की विशेष टीम बनायी गई। इसमें चार अपर पुलिस अधीक्षक, सात पुलिस उपाधीक्षक के साथ इंस्पेक्टर के अलावा गौतमबुद्धनगर और मेरठ की एसटीएफ को लगाया गया था। चार आईपीएस भी शामिल थे। सभी को अलग-अलग काम दिया, जैसे की सीसीटीवी, साक्ष्य एकत्र करना। शार्प शूटरों की पहचान करना उनकी हर गतिविधियों की जानकारी हासिल करना। इसी बीच 27 अगस्त को सोशल मीडिया के जरिए राहुल उर्फ भोलू शाहपुरिया से जुड़े इस्टाग्राम से अंकित बलियान की हत्या की जिम्मेदारी ली गई। जांच कर रही टीमों ने तमाम साक्ष्यों के आधार पर 29 अगस्त को शाप शूटर सुमित और मोहित की पहचान की गई। उनके आने-जाने रहने, खाने-पीने सभी मूवमेंट की जानकारी पुलिस हासिल की। इसमें पता चला कि दोनों शूटरों ने हत्या से पहले अंकित की रेकी की थी। शूटर को बाहर से हथियार मुहैया कराये गए थे और योजना के तहत 26 अगस्त को अंकित बलियान की हत्या कर दी गई। घटना के बाद पुलिस से बचने के लिए आरोपित जगह-जगह बदलते हैं। वहीं, पुलिस अपराधियों की धरपकड़ के लिए हरियाणा, हिमांचल, गुजरात और यूपी में छापेमारी की। इसी क्रम में 29 अगस्त को दो बदमाशों की पहचान की गई। सोमवार को उनकी लोकेशन शामली मिली और स्वॉट टीम, पुलिस और एसटीएफ ने घेराबंदी कर एनकाउंटर में दोनों बदमाशों को मार गिराया। इस दौरान स्वॉट टीम के दो मुख्य आरक्षी हरविंदर और प्रदीप घायल हुए जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं, पुलिस रिकार्ड में मोहित के खिलाफ हरियाणा में 14 और सुमित के खिलाफ एक आपराधिक केस दर्ज थे। इनके अन्य अपराधिक इतिहास का सत्यापन कराया जा रहा है।

जवहीं दियारा से पलायन की तैयारी, गंगा के बढ़ते जलस्तर ने बढ़ाई चिंता

नेपाल में जल प्रहार की त्रासदी की आशंका के बीच ग्रामीणों में खौफ

बक्सर (हिंस)। नेपाल में लगातार बारिश और नदियों के उफान से पैदा हुई बाढ़ की भयावह स्थिति का असर अब गंगा के दियारा क्षेत्रों में भी चिंता बढ़ाने लगा है। चक्की प्रखंड के जवहीं दियारा में गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए ग्रामीणों के बीच भय का माहौल है। संभावित बाढ़ की आशंका को देखते हुए कई परिवारों ने जरूरत पड़ने पर दियारा से पलायन की तैयारी शुरू कर दी है। वहीं मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की चिंता भी ग्रामीणों को सताने लगी है। पिछले कुछ दिनों से गंगा के जलस्तर में उतार-चढ़ाव के बाद रविवार से फिर पानी बढ़ने लगा है। सोमवार को जिले के विभिन्न इलाकों में सुबह से रुक-रुककर हो रही तेज बारिश ने ग्रामीणों की चिंता और बढ़ा दी। लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर सड़कों पर पानी जमा हो गया है, जबकि छोटी-बड़ी नदियों के जलस्तर में भी वृद्धि दर्ज की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि नेपाल और उत्तर भारत के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश का असर आने वाले दिनों में गंगा के जलस्तर पर पड़ सकता है। यही वजह है कि जवहीं दियारा के लोग किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए अभी से सतर्क हो गए हैं। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि गंगा का जलस्तर इसी रफ्तार से बढ़ता रहा तो दियारा के निचले इलाकों में पानी प्रवेश कर सकता है। सबसे बड़ी चिंता पशुपालकों को लेकर है। दियारा क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग खेती और पशुपालन पर निर्भर हैं। बाढ़ की स्थिति बनने पर लोगों के साथ-साथ मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना बड़ी चुनौती बन सकता है। इसे देखते हुए ग्रामीण पहले से ही ऊंचे और सुरक्षित स्थानों की तलाश में जुट गए हैं। इधर, प्रशासन भी गंगा के जलस्तर और दियारा क्षेत्र की स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में बदलाव होने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,58,230 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,58,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,45,040 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार में 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,58,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,58,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,58,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,58,230 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,45,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,58,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,58,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,45,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,58,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,58,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,45,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,58,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,45,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,58,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,45,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

उर्वरक खरीद को भूमि रिकार्ड से जोड़ेगी सरकार, आईएफएमएस डिजिटल निगरानी प्रणाली का दायरा बढ़ाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उर्वरक खरीद को किसानों के भूमि रिकार्ड से जोड़ने और सब्सिडी भुगतान की बेहतर निगरानी के लिए एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) का विस्तार करने की घोषणा की है। एनआईसी द्वारा संचालित इस डिजिटल मंच पर 14 करोड़ से अधिक आधार-लिंक्ड खरीदार और 2.5 लाख खुदरा विक्रेता पंजीकृत हैं। नए डैशबोर्ड के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर से लेकर खुदरा विक्रेता स्तर तक उर्वरक की आपूर्ति और किल्लत की जानकारी पहले ही मिल सकेगी। सरकार ने कहा कि वह उत्पादन से लेकर खुदरा बिक्री तक उर्वरकों की निगरानी करने वाले देशव्यापी डिजिटल मंच का विस्तार कर रही है। इसके तहत उर्वरकों की खरीद को व्यक्तिगत किसानों के भूमि रिकार्ड से जोड़ने और सब्सिडी भुगतान की अधिक करीबी निगरानी के लिए नई सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं। उर्वरक विभाग द्वारा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) की तकनीकी मदद से संचालित एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) में 14 करोड़ से अधिक आधार से जुड़े खरीदार और 2.5 लाख से अधिक खुदरा विक्रेता पहले ही दर्ज हैं। यह प्रणाली हर साल करीब सात करोड़ टन उर्वरक की बिक्री का प्रसंस्करण करती है। इसके तहत करीब दो लाख करोड़ रुपये की सालाना उर्वरक सब्सिडी से जुड़े लेनदेन पर नजर रखी जाती है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने पार्थ जिंदल को चेयरमैन नियुक्त किया

नई दिल्ली। देश की दिग्गज कार निर्माता कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने पार्थ जिंदल को नया चेयरमैन नियुक्त किया है। जिंदल की नियुक्ति तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है। इससे पहले पार्थ कंपनी के निदेशक थे।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के चेयरमैन के अलावा पार्थ जिंदल जेएसडब्ल्यू सीमेंट और जेएसडब्ल्यू पेंट्स के प्रबंध निदेशक, जेएसडब्ल्यू ड्यूलक्स लिमिटेड के चेयरमैन और जेएसडब्ल्यू एनर्जी के बोर्ड में निदेशक भी हैं। वह जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के संस्थापक तथा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन एवं सह-मालिक भी हैं। पार्थ जिंदल संयुक्त उद्यम की स्थापना के समय से ही जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के निदेशक मंडल में रहे हैं। कंपनी की उत्पाद रणनीति, विनिर्माण विस्तार तथा स्थानीयकरण कार्यक्रम को आकार देने में उनकी अहम भूमिका रही है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब जेएसडब्ल्यू समूह जर्मनी की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी स्कोडा फाक्सवैगन के साथ संभावित साझेदारी को लेकर बातचीत कर रहा है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू समूह और चीन की सरकारी वाहन विनिर्माता कंपनी एसएआईसी मोटर का संयुक्त उद्यम है। इसमें जेएसडब्ल्यू की 35 फीसदी और एसएआईसी मोटर की 49 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं, शेष 16 फीसदी हिस्सेदारी भारतीय वित्तीय संस्थानों, डीलर और कर्मचारियों के पास है।

जगदीशन की तकनीकी सुधार और विलय में अहम भूमिका रही, वर्तमान कार्यकाल के बाद जगदीशन इस पद के लिए नहीं चुने जाएंगे

नई दिल्ली। एचडीएफसी बैंक को तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने और एचडीएफसी लिमिटेड के साथ उसके ऐतिहासिक विलय को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाले प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्याधिकारी शशिधर जगदीशन ने अब अपने पद पर आगे न बढ़ने का फैसला किया है। अक्टूबर में समाप्त हो रहे अपने वर्तमान कार्यकाल के बाद वे दोबारा इस पद के लिए नहीं चुने जाएंगे। भारत के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता, एचडीएफसी बैंक के एमडी व सीईओ शशिधर जगदीशन ने बैंक के बोर्ड को सूचित किया कि वे नया कार्यकाल नहीं चाहते। दोबारा चुने जाने की अटकलों पर विराम लगाते हुए, उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि कोई नया नेतृत्व बैंक की कमान संभाले। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, जगदीशन ने बोर्ड को बताया कि पिछले 35 साल उनके लिए बहुत अच्छे रहे, खासकर एमडी एवं सीईओ के रूप में पिछले छह वर्ष। इस दौरान बैंक ने तकनीकी प्रणालियों को दुरुस्त करने और एचडीएफसी लिमिटेड के साथ विलय जैसे अहम कार्य पूरे किए।

पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल में उबाल, 90 डालर के पार पहुंचा ब्रेंट क्रूड

नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान द्वारा एक दूसरे के ठिकानों पर नए हमलों की शुरुआत करने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक बार फिर कच्चे तेल की कीमत में तेजी का रुख बन गया है। इस उछाल के कारण ब्रेंट क्रूड 90 डालर प्रति बैरल के स्तर के पार चला गया। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 86 डालर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गया है। अमेरिका द्वारा होर्मुज स्ट्रेट में ईरान के एक द्वीप में दो लान्चर्स पर हमला करने के बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की है। अमेरिका के हमलों के बाद ईरान ने जार्डन में दो अमेरिकी बेस पर हमला कर दिया। दोनों देशों द्वारा एक दूसरे के ठिकानों पर हमला करने की वजह से पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव की स्थिति बन गई है, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी के रूप में नजर आ रहा है।

ब्रेंट क्रूड ने 1.35 डालर प्रति बैरल उछल कर 89.455 डालर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। ट्रेडिंग शुरू होने के कुछ देर बाद ही इसकी कीमत 90 डालर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई। तनाव की आशंका के कारण भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10 बजे के करीब ब्रेंट क्रूड 90.98 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि कुछ देर बाद इसमें मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:30 बजे ब्रेंट क्रूड 2.69 डालर प्रति बैरल यानी 3.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 90.79 डालर प्रति बैरल के स्तर पर ट्रेड कर रहा था।

इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड की ट्रेडिंग 1.29 डालर प्रति बैरल की तेजी के साथ 84.69 डालर प्रति बैरल के स्तर से शुरू हुई। शुरुआत में ही कुछ देर के लिए यह फिसल कर 84.11 डालर प्रति बैरल तक आया। इसके बाद इसके भाव में तेजी आ गई और थोड़ी देर में ही यह उछल कर 85.96 डालर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:30 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 2.33 डालर प्रति बैरल यानी 2.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ 85.73 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। जानकारों का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच शुरू हुए नए हमलों का सिलसिला अगर जारी रहा तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उबाल आ सकता है। अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट पर पूरा कंट्रोल हासिल करने के लिए ही ईरान के द्वीप पर दो लान्चर्स पर हमला किया है। इसके जवाब में ईरान ने भी जार्डन के अमेरिकी बेस पर हमला कर साफ कर दिया है कि वो अमेरिकी हमलों के सामने सरेंडर नहीं करेगा। दोनों देशों के रवैये से साफ है कि पश्चिम एशिया के तनाव में अभी जल्दी कोई कमी आने की उम्मीद नहीं है।

मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर ये तनाव जारी रहा तो कच्चे तेल की कीमत में भी तेजी का रुख बना रह सकता है। कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी भारत जैसे आयल इंपोर्टर देश की अर्थव्यवस्था पर निगेटिव इफेक्ट डाल सकती है।

टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमत का लंबे समय तक बना रहना भारत के करंट अकाउंट डेफिसिट को बढ़ा सकता है। इसके साथ ही इसकी वजह से फिस्कल डेफिसिट टारगेट भी हिट हो सकता है। इसके अलावा कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमत भारतीय मुद्रा को कमजोर कर सकती है, महंगाई को बढ़ा सकती है और फारेन कैपिटल आउटफ्लो (विदेशी पूंजी की निकासी) को और बढ़ा सकती है। इसी तरह अर्थव्यवस्था पर बढ़ते दबाव से स्टाक मार्केट में अनिश्चितता आ सकती है, क्योंकि सरकार को सब्सिडी, इंटरेस्ट रेट और रुपया-डालर एक्सचेंज रेट पर पड़ने वाले असर के बारे में कड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं।

चीनी की जमाखोरी पर सरकार सख्त, मिलों को अब 7 दिन में बेचना होगा कोटा

नई दिल्ली

बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने और जमाखोरी पर लगाम कसने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत, अब चीनी मिलों को अपना आवंटित कोटा रिलीज आर्डर मिलने के सात दिनों के भीतर बेचना अनिवार्य होगा, जबकि पहले इसके लिए एक महीने का समय मिलता था।

सितंबर के पहले पखवाड़े के लिए 13 लाख टन चीनी का कोटा निर्धारित

सरकार ने सितंबर 2026 के पहले पखवाड़े (1 से 15 सितंबर) के लिए 13 लाख टन चीनी का कोटा निर्धारित किया है। सरकार के इस नए नियम के तहत, चीनी मिलों को अब एक महीने के बजाय रिलीज आर्डर जारी होने के 7 दिनों के भीतर हर हाल में अपना आवंटित चीनी कोटा बाजार में बेचना होगा। रिलीज आर्डर एक आधिकारिक अनुमति पत्र होता है, जिसके माध्यम से सरकार यह तय करती है कि कोई भी चीनी मिल एक निश्चित समय-सीमा के भीतर खुले बाजार में कितनी चीनी बेच सकती है। यह व्यवस्था बाजार में चीनी की अत्यधिक आपूर्ति या कमी दोनों को रोकने और कीमतों में स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। इस कड़े नियम का मुख्य उद्देश्य मिलों को अधिक मुनाफे के लालच में चीनी का स्टाक दबाकर रखने से रोकना है। गणेश चतुर्थी और ओणम जैसे आगामी त्योहारों के दौरान चीनी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए यह 13 लाख टन का कोटा पर्याप्त माना जा रहा है। सरकार का मानना है कि इस कदम से बाजार में चीनी की कोई कमी नहीं होगी और कीमतें भी काबू में रहेंगी। इसके अतिरिक्त, सरकार ने हाल ही में थोक खरीदारों (जैसे मिठाई और कोल्ड ड्रिंक निर्माता) पर भी 15 दिनों से अधिक का स्टाक रखने पर पाबंदी लगाई है, जो नवंबर के अंत तक प्रभावी रहेगी।

पाकिस्तान-सऊदी अरब का कृषि समझौता, 3 अरब डालर निर्यात का लक्ष्य

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और सऊदी अरब ने कृषि और खाद्य क्षेत्र में एक बड़ा समझौता किया है, जिसके तहत अगले दो साल में पाकिस्तान से सऊदी अरब को होने वाला कृषि और खाद्य उत्पादों का निर्यात तीन अरब अमेरिकी डालर तक बढ़ाया जाएगा। यह अहम सहमति सऊदी अरब के पर्यावरण, जल और कृषि मंत्री अब्दुलरहमान अल-फादली की हालिया पाकिस्तान यात्रा के दौरान बनी। 26 से 28 अगस्त तक चली अपनी यात्रा के दौरान, मंत्री अल-फादली ने पाकिस्तान के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और अनुसंधान मंत्री राणा तनवीर हुसैन और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। संयुक्त बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने चावल, लाल मांस, फल उत्पाद, हरा चारा तथा कम पानी में होने वाली कृषि तकनीकों जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। निजी क्षेत्र की भागीदारी पर विशेष जोर रहा। दोनों ने इस 3 अरब डालर के लक्ष्य को अगले दो साल में हासिल करने की साझा प्रतिबद्धता जताई। पिछले साल पाकिस्तान ने सऊदी अरब को लगभग 1.69 लाख टन चावल निर्यात किया था, जिसकी कीमत 16.3 करोड़ डालर थी, और सऊदी अरब ने आने वाले वर्षों में इसका आयात और बढ़ाने में रुचि दिखाई है। इसके अतिरिक्त, प्रति वर्ष 30 हजार टन लाल मांस की आपूर्ति की भी समीक्षा की गई, जिसका मूल्य 16.7 करोड़ डालर है।

भारत-ब्राजील ने 2030 तक 30 अरब डालर के द्विपक्षीय व्यापार का रखा लक्ष्य

भारत ने दवा उत्पाद के निर्यात बढ़ाने के लिए ब्राजील में अधिक विश्वसनीय नियामकीय व्यवस्था की मांग की

नई दिल्ली

भारत और ब्राजील ने द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने के अपने संकल्प को दोहराया है। राजधानी ब्रासीलिया में हुई 8वीं भारत-ब्राजील व्यापार निगरानी तंत्र (टीएमएम) की बैठक में दोनों ही देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 30 अरब यूएस डालर तक पहुंचाने का लक्ष्य भी तय किया है।

ब्राजील के ब्रासीलिया में आयोजित भारत-ब्राजील व्यापार निगरानी तंत्र की 8वीं बैठक में भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी को रेखांकित करने वाले मजबूत संस्थागत ढांचे और रणनीतिक एवं आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए दोनों पक्षों की साझा प्रतिबद्धता पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक की सह-अध्यक्षता वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और ब्राजील की विदेश व्यापार सचिव तातियाना लैसर्दा प्राजेरेस ने की।

बैठक के दौरान भारत ने दवा उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए ब्राजील में अधिक विश्वसनीय नियामकीय व्यवस्था की मांग की है। दोनों पक्षों ने और अधिक विविध, संतुलित और निरंतर साझेदारी के माध्यम से विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल्स, रसायन, इंजीनियरिंग सामान और मशीनरी के क्षेत्र में 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 30 अरब अमेरिकी डालर तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता जताई।

इस दौरान वाणिज्य सचिव ने ब्राजील सरकार के विकास, उद्योग, वाणिज्य और सेवा मंत्री मार्सियो एलियास रोजा से भी मुलाकात की तथा द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को और सुदृढ़ करने तथा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि भारत-मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौते के विस्तार और आधुनिकीकरण की काफी गुंजाइश है। वर्ष 2025 में भारत-मर्कोसुर द्विपक्षीय व्यापार 0.84 अरब डालर तक पहुंचने के साथ दोनों पक्ष कार्यक्षेत्र की शर्तों को जल्द अंतिम रूप देने पर सहमत हुए।

भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2025-26 में 15.07 अरब डालर तक पहुंच गया है। इसे 2030 तक 30 अरब यूएस डालर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे थे। जबकि एशियाई बाजार में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

अमेरिका में ब्याज दर में एक बार फिर बढ़ोतरी आने की आशंका की वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.25 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,711.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 138.93 अंक यानी 0.52 प्रतिशत टूट कर 26,402.42 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 150.22 अंक यानी 0.28 प्रतिशत लुढ़क कर 53,409.77 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करते रहे। एफटीएसई इंडेक्स में पिछले सत्र के दौरान कोई हलचल नहीं रही, लेकिन सीएसी इंडेक्स 0.97 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,401.18 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 202.75 अंक यानी 0.76 प्रतिशत की बढ़त के साथ 26,569.99 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। एशियाई बाजार में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.44 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,724.79 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,591.55 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 103 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,209 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.40 प्रतिशत लुढ़क कर 6,492.16 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 90.74 अंक यानी 1.34 प्रतिशत टूट कर 6,698.14 अंक के स्तर पर तक गिर गया है।

ताइवान वेटेड इंडेक्स में भी जोरदार कमजोरी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 612.63 अंक यानी 1.32 प्रतिशत फिसल कर 45,718.82 अंक के स्तर तक आ गया है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 730.56 अंक यानी 1.10 प्रतिशत गिर कर 65,675 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 170.79 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,414 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,944.46 अंक के स्तर पर कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं।

यूएस ओपन : जोकोविच पहले दौर में बाहर, नावेने ने पांच सेट के रोमांचक मुकाबले में दी मात

न्यूयार्क

सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को यूएस ओपन 2026 के पहले ही दौर में बड़ा उलटफेर झेलना पड़ा। 48वीं रैंकिंग वाले अर्जेंटीना के मारियानो नावेने ने जोकोविच को 7-6(7/5), 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

इस हार के साथ जोकोविच का रिकार्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब का इंतजार और लंबा हो गया। वह 2023 के बाद से इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल करने की कोशिश कर रहे थे।

यह 2006 के आस्ट्रेलियन ओपन के बाद पहला मौका है, जब जोकोविच किसी ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में हारकर बाहर हुए हैं। उस समय उन्हें पाल गोल्डस्टीन ने हराया था। इसके बाद जोकोविच ने ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में लगातार 78 मुकाबले जीते थे।

नावेने की करियर की सबसे बड़ी जीत – 25 वर्षीय नावेने के लिए यह जीत बेहद खास रही। यह ग्रैंड स्लैम में उनकी पहली जीत है किसी शीर्ष-10 खिलाड़ी के खिलाफ। उन्होंने चार घंटे 36 मिनट तक चले मुकाबले में जोकोविच को शारीरिक रूप से परेशान किया और निर्णायक सेट में पूरी तरह दबदबा बनाया।

जोकोविच मैच के दौरान असहज नजर आए। उन्हें कोर्ट पर उल्टी करते देखा गया और बाद में वह ऐंठन से भी जूझते रहे। चौथे सेट में उन्होंने नावेने की सर्विस तोड़कर 2-1 की बढ़त बनाई, लेकिन अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने लगातार पांच गेम जीतकर सेट अपने नाम किया और मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया। अंतिम सेट से पहले जोकोविच ने पीठ के उपचार के लिए मेडिकल टाइमआउट भी लिया, लेकिन इससे उनकी परेशानी दूर नहीं हुई। अंततः नावेने ने निर्णायक सेट 6-1 से जीतकर बड़ा उलटफेर कर दिया। हार के बाद जोकोविच ने कहा, मैंने इसका आनंद नहीं लिया। कोर्ट पर मेरे लिए यह कितना खराब अहसास था, यह साफ दिखाई दे रहा था। उन्होंने कहा कि उल्टी और शरीर में ऐंठन की समस्या उन्हें इस साल लगभग हर मैच में परेशान कर रही है। जोकोविच ने कहा कि अंत में उनकी पीठ और कंधे ने भी जवाब दे दिया और वह मुकाबला खत्म नहीं कर सके।

वहीं, जोकोविच को अपना आदर्श मानने वाले नावेने ने कहा, इस कोर्ट पर महानतम खिलाड़ी के खिलाफ खेलना मेरे लिए, बहुत मुश्किल था। निश्चित तौर पर यह कोर्ट पर मेरा अब तक का सबसे शानदार अनुभव है। यह सबसे बड़ा मंच है। पांच सेट तक खेलकर जीतना शानदार है। मैं बहुत खुश हूं।

न्यूज़ ब्रीफ

मंधाना महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी खिलाड़ी बनी, सूजी बेट्स तीसरे नंबर पर खिसकी

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एशिया कप के पहले ही मैच में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। मंधाना पहले मैच में थाईलैंड के खिलाफ 19 रन ही बना पायीं पर इसी दौरान वह अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गयीं। मंधाना ने इसी के साथ ही न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स को पीछे छोड़ दिया। उन्हें यहां तक पहुंचने के लिए केवल 4 रनों की जरुरत थी। अब उनके नाम अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 10,756 रन दर्ज हो गए हैं। इस रिकार्ड के साथ ही मंधाना अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सूजी बेट्स 10,740 रनों के साथ दूसरे स्थान पर थीं। दिलचस्प बात यह है कि इस सूची के शीर्ष दो स्थान अब भारतीय खिलाड़ियों के नाम हैं। सबसे ज्यादा रनों का रिकार्ड भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज के नाम है, जिन्होंने अपने करियर में 10,868 रन बनाए थे। स्मृति मंधाना को मिताली का रिकार्ड तोड़ने और नंबर एक पर पहुंचने के लिए अब केवल 113 रनों की और जरुरत है। अंतर्राष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाली शीर्ष पाँच बल्लेबाज इस प्रकार हैं: 10,868 रन के साथ मिताली राज (भारत), 10,756 रन के साथ स्मृति मंधाना (भारत), 10,740 रन के साथ सूजी बेट्स (न्यूजीलैंड), 10,273 रन के साथ शार्लेट एडवर्ड्स (इंग्लैंड) और 10,007 रन के साथ स्टेफनी टेलर (वेस्टइंडीज)।

आईपीएल से इम्पैक्ट प्लेयर नियम हटाने पर विचार कर रहा बीसीसीआई, सभी फ्रैंचाइजी टीमों से मांगी सलाह

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इम्पैक्ट प्येयर नियम लागू किये जाने के बाद से ही विवादों में रहा है। इस नियम का कड़ा विरोध भी होता रहा है, कई दिग्गज क्रिकेटरों ने समय-समय पर इस नियम को हटाने की मांग की है। वहीं अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी इस नियम पर पुनर्विचार करने का फैसला करते हुए सभी 10 फ्रेंचाइजी से इस संबंध में अपनी राय मांगी है। प्राप्त जानकारी के अनुसा सभी टीमों को इस बारे में अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। इस नियम को पहली बार साल 2023 में लागू किया गया था और तभी से ये आलोचकों के निशाने रहा है। बीसीसीआई का यह नया कदम बताता है कि बोर्ड अब इस नियम को लेकर एक बड़ा और निर्णायक फैसला ले सकता है। इसको हटाने की मांग करने वालों का तर्क है कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम से खेल का संतुलन बिगड़ गया है। इससे आलराउंडरों के अवसर कम होते हैं। इसे अक्सर गेंदबाज-विरोधी नियम करार दिया जाता है। पिछले आईपीएल सीजन (2024) में इस नियम की वजह से 200 से अधिक के स्कोर पहले से कहीं ज्यादा बार देखने को मिले, जिसने बल्लेबाजों का दबदबा और बढ़ा दिया।

डब्लयूटीसी अंत तालिका में सबसे निचले स्थान पर खिसकी पाकिस्तान टीम

लाईस। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे किकेट टेस्ट मैच में भी करारी हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम अब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर पहुंच गयी है। इंग्लैंड दौरे पर मिली लगातार दो हार के बाद अब पाक टीम के केवल 16 अंक ही बचे रह गये हैं। उसे पिछल आठ मैचों में से छह में हार मिली है। इससे उसका जीत प्रतिशत (पीसीटी) अब केवल 16.67 फीसदी रह गया है। यह आंकड़ा उसके खराब फार्म और डब्ल्यूसी में लगातार गिरावट को दिखा रहा है। गौरतलब है कि एक ओर जहां पाक टीम लगातार हार रही है। वहीं दूसरी ओर डल्यूटीसी अंक तालिका में आस्ट्रेलियाई टीम शीर्ष पर बनी हुई है। आस्ट्रेलिया ने 10 टेस्ट मैचों में से 8 में जीत हासिल की है। इससे उसके 96 अंक और 80 पीसीटी है। इस प्रकार वह अन्य सभी टीमों से काफी आगे है। आस्ट्रेलिया के बाद साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश की टीमें तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। वहीं भारतीय टीम अभी पांचवें स्थान पर बनी हुई है।

डीपीएल 2026 : साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज बनी चैंपियन, फाइनल में सेंट्रल किंग्स को सात विकेट से हराया

नई दिल्ली

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स को सात विकेट से हराकर दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में साउथ दिल्ली ने 183 रन के लक्ष्य को महज 18.2 ओवर में तीन विकेट खोकर 186 रन बनाकर हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए अनमोल शर्मा ने 42 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 64 रन बनाकर जीत की मजबूत नींव रखी। उनका साथ अंकित डबास ने शानदार अंदाज में दिया। डबास ने सिर्फ 33 गेंदों पर पांच चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 61 रन की तूफानी पारी खेली।

कप्तान तेजस्वी दहिया ने भी अहम योगदान दिया। उन्होंने 18 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 33 रन बनाए। इसके बाद एकांश डोभाल ने तीन गेंदों पर नाबाद सात रन बनाकर टीम की जीत पर मुहर लगा दी, जिसमें एक छक्का शामिल था।

इससे पहले सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने टास के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 182 रन पर आठ विकेट बनाए। समर्थ सिंह ने 27 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 51 रन की तेजतर्रार पारी खेली। कप्तान जोंटी सिद्धू ने 19 गेंदों पर तीन छक्कों की मदद से 36 रन बनाए।

युगल सैनी ने 29 गेंदों पर 32 रन का योगदान दिया, जबकि मनी ग्रेवाल ने आखिरी ओवरों में महज सात गेंदों पर 18 रन बनाकर टीम के स्कोर को गति दी।

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज की ओर से दिवांश रावत सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 17 रन देकर तीन विकेट लिए। विजन पांचाल ने दो विकेट हासिल किए, जबकि अंकित डबास, प्रांशु विजयरण और अंशुमान हुड्डा को एक-एक सफलता मिली।

हालांकि, फाइनल में साउथ दिल्ली के बल्लेबाजों का दबदबा रहा। टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार तेज रन गति बनाए रखी और 10 गेंद शेष रहते सात विकेट से मुकाबला जीतकर डीपीएल 2026 की ट्राफी पर कब्जा कर लिया।

संन्यास के बाद भी धोनी की कमाई पर नहीं पड़ा है असर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिह घोनी खेल से संन्यास के बाद भी मोटी कमाई कर रहे हैं। संन्यास के बाद धोनी की कमाई मुख्य रुप से विज्ञापन से हो रही है। वह कई बड़े ब्रांड से वह जुड़े हुए हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अलावा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से भी उन्हें पेंशन मिलती है। धोनी के कई कारोबार भी है। वह खेती भी करते हैं। धोनी ने अपने शानदार करियर में भारत के लिए कुल 90 टेस्ट मैच खेले हैं। बोर्ड की मौजूदा पेंशन व्यवस्था के तहत, वे पूर्व पुरुष क्रिकेटर जिन्होंने 25 या उससे अधिक टेस्ट मैच खेले हैं, उन्हें हर महीने 70,000 रुपये की पेंशन दी जाती है। इस हिसाब से, धोनी भी इस श्रेणी में आते हैं और उन्हें हर महीने बोर्ड से 70,000 रुपये मिलते हैं। हालांकि, उनकी कुल कमाई के विशाल आंकड़े के मुकाबले यह रकम काफी छोटी है। धोनी आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स से खेल रहे हैं। सीएसके ने 2026 सीजन के लिए ने उन्हें 4 करोड़ रुपये में रिटेन किया है। इसका मतलब है कि केवल आईपीएल अनुबंध से ही उन्हें एक सीजन के लिए 4 करोड़ रुपये मिलते हैं। यदि इस रकम को 12 महीनों के हिसाब से बांटा जाए, तो यह औसतन करीब 33.3 लाख रुपये प्रति महीने बैठती है। हालांकि, यह केवल एक औसत है क्योंकि आईपीएल की रकम वास्तव में पूरे सत्र में एक बार ही मिलती है। इसके अलावा उन्हें मैच के हिसाब से फीस भी मिलती है। धोनी की कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा ब्रांड एंडोर्समेंट जो बड़ी कंपनियों से है। 2026 की मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी सालाना आय 75 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है, जिसमें आईपीएल, विज्ञापन और कारोबार से होने वाली कमाई सम्मिलित है। कुछ रिपोर्ट्स तो यह भी अनुमान लगाती हैं कि 2025-26 के लिए उनकी अनुमानित कमाई लगभग 95 से 105 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है।

यूएस ओपन 2026: पेगुला ने नर्वस शुरुआत से उबरकर दर्ज की आसान जीत, रुसे को सीधे सेटों में हराया

न्यूयार्क

अमेरिका की जेसिका पेगुला ने शुरुआती दबाव और घबराहट से उबरते हुए यूएस ओपन 2026 के महिला एकल के पहले दौर में जीत दर्ज की। 32 वर्षीय पेगुला ने रूस की एलिना रुसे को 6-3, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। उन्होंने यह मुकाबला 83 मिनट में अपने नाम किया।

पेगुला को मैच की शुरुआत में ब्रेक हासिल करने के लिए लगातार संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने रुसे की सर्विस तोड़ने के पहले नौ मौके गंवाए, लेकिन इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी ने लय हासिल की और मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया। पेगुला ने अपनी पहली सर्विस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 92 प्रतिशत अंक जीते। वह हाल ही में सिनसिनाटी ओपन में कोको गाफ के खिलाफ उपविजेता रही थीं। जीत के बाद पेगुला ने कहा, मैं बहुत नर्वस थी। मैं अपनी स्थिति बताने के लिए जीआईएफ भेज रही थी, जिसमें लोग घबराते हुए नजर आ रहे थे। ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में हमेशा काफी घबराहट होती है। दूसरे दौर में पेगुला का सामना वीनस विलियम्स और हमवतन सोफिया केनिन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा।

पाओलिनी और राखिमोवा भी आगे बढ़ीं – महिला एकल में 19वीं वरीयता प्राप्त इटली की जैस्मिन पाओलिनी ने भी दूसरे दौर में प्रवेश किया। उन्होंने वेरोनिका एर्याविक को 6-3, 3-6, 6-4 से हराया। वहीं, कामिला राखिमोवा ने 27वीं वरीयता प्राप्त बारबोरा क्रेजिकोवा को 7-6(4), 6-2 से शिकस्त दी।

कोस्त्युक की शानदार जीत – यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक ने भी शानदार शुरुआत करते हुए आस्ट्रेलिया की क्वालीफायर स्टार्म हंटर को 6-4, 6-1 से हराया। फ्रेंच ओपन और विंबलडन में सेमीफाइनल तक पहुंच चुकीं कोस्त्युक को इस बार यूएस ओपन में खिताब की दावेदारों में माना जा रहा है। जीत के बाद कोस्त्युक ने कहा, इस शानदार जगह पर वापस आकर मैं बहुत खुश हूं। क्वालीफायर के खिलाफ खेलना आसान नहीं होता, क्योंकि वे पहले ही पूरा टूर्नामेंट खेल चुकी होती हैं। मैं अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। मैं खुद को जमीन से जोड़े रखने की कोशिश कर रही हूं।

दीप्ति ने थाईलैंड के खिलाफ बिना कोई रन दिये 3 विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्पिनर दीप्ति शर्मा ने एशिया कप के पहले ही मैच में थाईलैंड के खिलाफ मिली 94 रनों की जीत के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। दीप्ति ने इस मैच में केवल 1.1 ओवर में ही बिना कोई रन दिये 3 विकट ले लिए। थाईलैंड के खिलाफ अपनी कसी हुई गेंदबाजी से दीप्ति टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की पहली ऐसी गेंदबाज बन गयी हैं। जिन्होंने एक या उससे अधिक विकेट लेते हुए कोई रन नहीं दिया हो। उनकी इस गेंदबाजी से विरोध बल्लेबाजों पर दबाव आया जिससे अन्य गेंदाबाजों को विकेट मिलने में आसानी हुई। दीप्ति के अलावा नंदिनी शर्मा ने 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट जबकि श्री चारणी ने 2 और क्रांति गौड़ ने 1 विकेट लिया। 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी थाईलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाई और 16.1 ओवर में महज 65 रनों पर सिमट गई। थाईलैंड की तरफ से नन्नापत कोंचारोएनकाई ही एकमात्र ऐसी बल्लेबाज रहीं, जो दो अंकों तक पहुंची और सबसे अधिक 41 रन बनाने मे सफल रहीं पर उन्हें दूसरे छोर से कोई खास समर्थन नहीं मिला।

एकदिवसीय में जगह नहीं बना पाने के लिए अपने को जिम्मेदार मानते हैं सूर्यकुमार

मुम्बई

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और अच्छी तकनीक के बाद भी एकदिवसीय टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये और टी20 तक ही सीमित होकर रह गये। सूर्यकुमार ने अब इसका कारण बताया है। उनका कहना है कि इसके लिए वह स्वयं को ही जिम्मेदार मानते है। इस बल्लेबाज ने कहा है कि एकदिवसीय के लिए जितनी मेहनत करनी चाहिये थी। वह नहीं कर पाये। सूर्यकुमार ने अपने करियर में 37 एकदिवसीय मैचों में खेलते हुए केवल 773 रन बनाए हैं।

उन्होंने अंतिम बार एकदिवसीय मुकाबला 2023 विश्व कप का फाइनल था, जहां सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए वह केवल 18 रन ही बना पाये। उसके बाद वह टीम से बाहर हुए तो वापसी नहीं कर पाये। वहीं अब वह टी20 विश्वकप से भी बाहर हो गये हैं। 30 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने वाले सूर्यकुमार का मानना है कि अगर उन्हें 2016 के आसपास टीम इंडिया में मौका मिल जाता, तो शायद वे टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट में एक अलग मुकाम हासिल कर पाते।

सूर्यकुमार ने अपना एकमात्र टेस्ट मैच, जो 2023 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। इसमें वह केवल 8 रन ही बना पाए थे। उस पारी के बाद वह टेस्ट टीम में जगह नहीं बना पायी। अपनी एकदिवसीय विफलताओं को लेकर उन्होंने कहा, यह टी20 की तरह ही सीमित ओवरों है पर मैंने इसमें उतनी मेहनत नहीं की, जितनी मुझे करनी चाहिए थी। मैं व्यक्तिगत रूप से यह स्वीकार करता हूँ कि मैं इस फार्मेट का फार्मुला नहीं खोज पाया। उन्होंने आगे कहा, मैं जानता था कि मुझे नंबर 5 या 6 पर ही बल्लेबाजी मिलेगी, फिर भी मैंने इस प्रारुप को बेहतर ढंग से समझने या इसके अनुसार अपने खेल में बदलाव लाने के अधिक प्रयास नहीं किए, और इसका सीधा असर मेरे प्रदर्शन पर दिखा। सूर्यकुमार के अंतरराष्ट्रीय करियर के आंकड़ों पर नज़र डालें तो, टी20 प्रारुप में उनकी बादशाहत साफ दिखती है। उन्होंने 113 टी20 मैचों में 3272 रन बनाए हैं, जिसमें उनके अंतरराष्ट्रीय करियर के सभी चार शतक शामिल हैं। इसके विपरीत, 37 एकदिवसय मैचों में उनके नाम 773 रन हैं, जिसमें उनका सर्वाधिक स्कोर 72 रन रहा। टेस्ट क्रिकेट में उनका एकमात्र अनुभव एक पारी का है, जहाँ वे सिर्फ 8 रन ही बना सके थे।

मिडफील्डर रोड्री को लेकर रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी के बीच खींचतान जारी

मैड्रिड

यूरोपीय फुटबाल में आजकल स्पेन के दिग्गज मिडफोल्डर रोड्री हर्नांडेज़ के ट्रांसफर को लेकर रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी के बीच जोरदार खींचतान चल रही है। यह बहुचर्चित खिलाड़ी वर्तमान में ट्रांसफर बाजार में मुख्य आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, क्योंकि रियल मैड्रिड उन्हें अपनी टीम में शामिल करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रहा है। हालांकि, इस सौदे में सबसे बड़ी बाधा मैनचेस्टर सिटी की उच्च मांग है, जो अपने इस स्टार खिलाड़ी को छोड़ने के लिए कम से कम 80 मिलियन यूरो की राशि की मांग कर रहा है। इसके विपरीत, रियल मैड्रिड ने अपनी अधिकतम पेशकश 60 मिलियन यूरो तक ही सीमित रखी है, जिससे दोनों क्लबों के बीच 20 मिलियन यूरो का बड़ा अंतर बना हुआ है।

मीडिया रिपोर्टो से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों क्लबों के बीच अभी तक कोई अंतिम सहमति नहीं बन पाई है और यह गतिरोध जारी है। इस हाई-प्रोफाइल ट्रांसफर को अंजाम तक पहुंचाने के लिए आने वाले कुछ सप्ताह बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। फुटबाल विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह सौदा संभव होना है, तो दोनों पक्षों को एक बीच का रास्ता खोजना होगा, जिसमें उन्हें अपनी-अपनी शुरुआती मांगों से कुछ समझौता करना पड़ सकता है। यह स्पष्ट है कि इस बड़े खिलाड़ी को हासिल करने के लिए रियल मैड्रिड को अपनी पेशकश बढ़ानी होगी, वहीं मैनचेस्टर सिटी को भी अपनी मांग में थोड़ी नरमी दिखानी पड़ सकती है। गौरतलब है कि रोड्री हर्नांडेज़ को मौजूदा समय में दुनिया के सबसे भरोसेमंद और प्रभावशाली मिडफील्ड खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। उन्होंने पिछले कई वर्षों से मैनचेस्टर सिटी के लिए बड़े-बड़े मुकाबलों में लगातार असाधारण प्रदर्शन किया है। उनकी सटीक पासिंग क्षमता, खेल की गति को अपनी इच्छानुसार नियंत्रित करने का हुनर और रक्षात्मक मोर्चे पर उनकी अभेद्य मजबूती उन्हें किसी भी टीम के लिए एक अमूल्य संपत्ति बनाती है। इन्हीं असाधारण खूबियों के चलते रियल मैड्रिड अपने मध्य क्षेत्र को और अधिक मजबूत व स्थिर बनाने के लिए लंबे समय से रोड्री पर अपनी नजरें जमाए हुए है। रोड्री का मौजूदा अनुबंध वर्ष 2027 की गर्मियों तक वैध है। इस अनुबंध की स्थिति रियल मैड्रिड को बातचीत में कुछ हद तक बढ़त दिला सकती है, क्योंकि यदि मैनचेस्टर सिटी समय रहते रोड्री के साथ एक नया और दीर्घकालिक अनुबंध हासिल नहीं कर पाता है, तो भविष्य में खिलाड़ी की बाजार कीमत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में मैनचेस्टर सिटी के सामने यह एक महत्वपूर्ण रणनीतिक फैसला होगा कि वह अभी एक बड़े ट्रांसफर शुल्क पर विचार करे या खिलाड़ी को अपने साथ बनाए रखने का जोखिम उठाए, जिसके परिणामस्वरूप भविष्य में कम कीमत मिलने की संभावना हो सकती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रोड्री स्वयं भी व्यक्तिगत और पेशेवर फुटबाल से जुड़े कारणों से एक नई चुनौती स्वीकार करने के लिए तैयार दिख रहे हैं। इसी वजह से रियल मैड्रिड में उनके शामिल होने की संभावना को लेकर अटकलें लगातार तेज हो रही हैं।

बिना डॉक्टर से पूछें न लें खांसी सिरप

खांसी होने पर सामान्यत हम कैमिस्ट से कफ सिरप ले आते हैं। लेकिन इनका प्रयोग विशेषज्ञ की सलाहनुसार ही किया जाना चाहिए क्योंकि यह अलग-अलग कारणों से विभिन्न प्रकार की हो सकती है। एंटीबायोटिक बैक्टीरिया के संक्रमण से खांसी होने पर इसे एंटीबायोटिक से नियंत्रित किया जाता है। एंटी-हिस्टामाइन्स एलर्जी, खाने की दवा के रिएक्शन से खांसी होने पर एंटी-हिस्टामाइन्स कारगर मानी जाती है।

आपके लिए खतरनाक है धूम्रपान

शोध से यह पता चलता है कि धूम्रपान और मानसिक स्वास्थ्य का परस्पर घनिष्ठ संबंध है। 2700 लोगों पर एक शोध किया गया और पाया गया कि धूम्रपान करने वाले व्यक्ति, उन व्यक्तियों की तुलना में जो धूम्रपान नहीं करते, अधिक चिंतित व उदास रहते हैं। उनका मानसिक स्वास्थ्य सही नहीं रहता। जो लोग इस आदत से छुटकारा नहीं पा सकते, उनके मानसिक स्वास्थ्य पर तो इसका बहुत ही बुरा असर पड़ता है।

मिट्टी में सोने के अद्‌भुत फायदे

मिट्टी में सोने से कई फायदे होते हैं। इसका उपयोग कई तरह के रोगों के इलाज में भी किया जाता है। इससे नींद न आना, स्नायु की कमजोरी और खून की खराबी आदि रोग दूर होते हैं। इसके अलावा मिट्टी की मालिश-मिट्टी को शरीर पर अच्छी तरह से मलने से और शरीर पर लगाने से जहरीले तत्व शरीर से बाहर निकल जाते हैं। साबुन के स्थान पर शुद्ध मिट्टी लगाकर नहाने से कई प्रकार के रोगों में फायदा होता है।

घरेलू उपचार

पित्त और कफ विकारों में गूलर का चमत्कार...

मोरासी परिवारी का सदस्य गूलर लंबी आयु वाला वृक्ष है। इसका वनस्पतिक नाम फीकुस ग्लोमेराता रौक्सबुर्ग है। यह सम्पूर्ण भारत में पाया जाता है। यह नदी-नालों के किनारे एवं दलदले स्थानों पर उगता है। इसके फल गोल, गुच्छों में लगते हैं। फल मार्च से जून तक आते हैं। कच्चा फल छोटा हरा होता है पकने पर फल मीठे, मुलायम तथा छोटे-छोटे दानों से युक्त होते हैं। इसका फल देखने में अंजीर के फल जैसा लगता है। इसके तने से क्षीर निकलता है। आयुर्वेदिक चिकित्सकों के अनुसार गूलर का कच्चा फल कसैला और दाहनाशक है। पका हुआ गूलर रुचिकारक, मीठा गूलर शीतल, पित्तशामक, तृषाशामक, श्रमहर, कब्ज मिटाने वाला तथा पौष्टिक है। इसकी जड़ में रक्तस्राव रोकने तथा जलन शांत करने का गुण है। गूलर के कच्चे फलों की सब्जी बनाई जाती है तथा पके फल खाए जाते हैं। इसकी छाल का चूर्ण बनाकर या अन्य प्रकार से उपयोग किया जाता है। गूलर के नियमित सेवन से शरीर में पित्त एवं कफ का संतुलन बना रहता है। इसलिए पित्त एवं कफ विकार नहीं होते। साथ ही इससे उदरस्थ अग्नि एवं दाह भी शांत होते हैं। पित्त रोगों में इसके पत्तों के चूर्ण का शहद के साथ सेवन भी फायदेमंद होता है।

मधुमेह में राहत: गूलर की छाल ग्राही है, रक्तस्राव को बंद करती है। साथ ही यह मधुमेह में भी लाभप्रद है। गूलर के कोमल-ताजा पत्तों का रस शहद में मिलाकर पीने से भी मधुमेह में राहत मिलती है। इससे पेशाब में शर्करा की मात्रा भी कम हो जाती है।

बवासीर में फायदेमंद: गूलर के तने का दूध बवासीर एवं दस्त के लिए श्रेष्ठ दवा है। खूनी बवासीर के रोगी को गूलर के ताजा पत्तों का रस पिलाना चाहिए। इसके नियमित सेवन से त्वचा का रंग भी निखरने लगता है।

बिवाई फटने पर: हाथ-पैरों की त्वचा फटने या बिवाई फटने पर गूलर के तने के दूध का लेप करने से आराम मिलता है, पीड़ा से छुटकारा मिलता है। गूलर से स्त्रियों की मासिक धर्म संबंधी अनियमितताएं भी दूर होती हैं। स्त्रियों में मासिक धर्म के दौरान अधिक रक्तस्राव होने पर इसकी छाल के काढ़े का सेवन करना चाहिए। इससे अत्याधिक बहाव रुक जाता है। ऐसा होने पर गूलर के पके हुए फलों के रस में खांड या शहद मिलाकर पीना भी लाभदायक होता है।

मुंह के छाले: मुंह के छाले हों तो गूलर के पत्तों या छाल का काढ़ा मुंह में भरकर कुछ देर रखना चाहिए। इससे फायदा होता है। इससे दांत हिलने तथा मसूढ़ों से खून आने जैसी व्याधियों का निदान भी हो जाता है। यह क्रिया लगभग दो सप्ताह तक प्रतिदिन नियमित रूप से करें।

जलने पर: आग से या अन्य किसी प्रकार से जल जाने पर प्रभावित स्थान पर गूलर की छाल को लेप करने से जलन शांत हो जाती है। इससे खून का बहना भी बंद हो जाता है। पके हुए गूलर के शरबत में शक्कर, खांड या शहद मिलाकर सेवन करने से गर्मियों में पैदा होने वाली जलन तथा तृषा शांत होती है।

नेत्र विकार: आंखों में पानी आना, जलन होना आदि के उपचार में भी गूलर उपयोगी है। इसके लिए गूलर के पत्तों का काढ़ा बनाकर उसे साफ और महीन कपड़े से छान लें। ठंडा होने पर इसकी दो-दो बूंद दिन में तीन बार आंखों में डालने से नेत्र ज्योति भी बढ़ती है। नकसीर फूटती हो तो ताजा एवं पके हुए गूलर के लगभग 25 मिली लीटर रस में गुड़ या शहद मिलाकर सेवन करने या नकसीर फूटना बंद हो जाती है। किसी भी दवा का सेवन डॉक्टर या वैद्य की सलाह से ही करें।

सेहतमंद रहने की अनोखी विधि

मामूली खर्च

- अपनाएं गंडूषकर्म या ऑइल पुलिंग तकनीक
- शरीर से विषों को निकालने की आयुर्वेद विधि
- छोटे से छोटे, बड़े से बड़े और नए तथा पुराने रोगों से छुटकारा
- पश्चिमी जगत में बहुत लोकप्रिय, भारतीय नहीं जानते

मामूली से खर्च में हमेशा स्वस्थ और ऊर्जावान रहने की विधि है गंडूषकर्म या तेल चूषण विधि। मुख के अंदर तेल भरकर कुछ समय तक रखने या चूसने मात्र से अनेकानेक रोगों से छुटकारा मिल सकता है। यह बहुत पुरानी आयुर्वेद की चिकित्सा है जिसको आज सिर्फ कुछ गिने चुने लोग ही जानते हैं। आज पश्चिमी जगत इसको आइल पुलिंग थेरेपी के नाम से जानता है। आयल पुलिंग शरीर से विषों को निकाल डी टॉक्सिफाई करने की आसान सरल और सस्ती विधि है। छोटे से छोटे, बड़े से बड़े और नए तथा पुराने रोगों से छुटकारा दिलाने में बहुत अहम है यह प्रक्रिया। यह विधि आज पश्चिमी जगत में बहुत लोकप्रिय है, मगर दुर्भाग्य है कि भारत के लोग ही इसको नहीं जानते। आज हम आपको इसी विधि के बारे में बताएंगे। इससे शरीर विषमुक्त तो होगा ही साथ ही साथ नई ऊर्जा और रोग मुक्त हो कर आप बिल्कुल नया अनुभव करेंगे।

आश्चर्यजनक शोध

ऑइल पुलिंग को आयुर्वेद में गंडूषकर्म के नाम से जाना जाता है। इस तकनीक पर हाल के ही दिनों में कुछ शोधकर्ताओं ने शोध भी किए हैं और उनके परिणाम इतने सकारात्मक निकले हैं कि भरोसा करना मुश्किल है। कुछ रोगों में तो लाभ महज दो दिनों में ही सामने आ जाता है, जबकि कुछ में एक साल का समय लग जाता है।

आमतौर पर फायदे के लिए ऑइल पुलिंग तकनीक को कम से कम लगातार चालीस से पचास दिनों तक प्रयोग में लाए जाने के आवश्यकता होती है।

आइल पुलिंग की विधि

सवेरे उठकर मुंह साफ करने के बाद लेकिन नाश्ते से पहले एक बड़ा चम्मच 10 एमएल सूरजमुखी का तेल, या तिल का तेल, या मूंगफली का तेल लीजिए, इसको मुंह में भर लेने के बाद मुंह बंद रखकर उसे मुंह में घुमाए और दांतो से खींचे और ऐसा 15-20 मिनट तक करें। अन्य शब्दों में, तेल को चबाने की क्रिया करें। चबाते समय ठोड़ी को हिलाएं (घोड़े द्वारा दाना खाने के समान)। इससे अच्छी लार बनती है और मुख की श्लैष्मिक झिल्ली के माध्यम से रक्तदोष और विष खींच लिए जाते हैं। मुंह में तेल भरकर इस क्रिया को करने से 15-20 मिनट में तेल दूषित, पतला और सफेद हो जाता हैं। इसके बाद दूषित तेल को थूक दीजिए।

कुछ सावधानियां रखें

किसी भी हालत में इस जहरीले तेल को निगलना नहीं हैं। इसके बाद मुंह को अच्छी तरह धो लीजिए और दातुन या दंत मंजन कर लीजिये। आइल पुलिंग के बाद शरीर के जहरीले तत्व तेल के साथ मुंह में आ जाते हैं। यह चिकित्सा रोगी को अपने रोग अनुसार दिन में दो या तीन बार करनी चाहिए। ध्यान रहे यह करने से पहले पेट खाली ही हो, अर्थात भोजन के पहले ही करना है।

ताजे और पुराने रोग

ताजे रोग और प्रारंभिक चिकित्सा काल के संक्रमण 2 से 4 दिन में शीघ्रता से ठीक हो जाते हैं परंतु पुरानी बीमारियां ठीक होने में अधिक समय लग जाता है। अतः चिकित्सा प्रक्रिया छोड़नी नहीं चाहिए। प्रयोग के प्रारंभ में खासकर एक से अधिक रोग वाले रोगी की तकलीफे बढ़ सकती हैं। जैसे शरीर का तापमान बढ़ जाना इत्यादि। ऐसी स्थिति में घबराकर चिकित्सा नहीं छोड़ें। बिना किसी दखल के अपने आप सब ठीक हो जाता है। ऐसे लक्षण इस बात का सूचक हैं के रोग खत्म हो रहा है और चय अपचय बढ़ने से रोगी का स्वास्थ्य सुधर रहा है।

इन बीमारियों से छुटकारा

आइल पुलिंग से निरंतर स्वस्थ रहने को तो बल मिलता है। इसके इलावा जिन रोगो के ठीक होने का दावा विज्ञान भी करता है उनमें खास हैं दांतों की बीमारियां, मसूड़ों से खून का बहना, दांत दर्द, दांतो का पीलापन, पुराने रक्त रोग, झाइयां, झुर्रियां, सिरदर्द, श्वासनली की सूजन (ब्रोंकाइटिस), थ्रोम्बोसिस, हृदय रोग, गुर्दे और मूत्र संबंधी बीमारियां, पेट, फेफडे और जिगर के रोग, अस्थिरोग, चर्मरोग, स्नायु रोग, पक्षाघात, अनिद्रा आदि। यह प्रक्रिया कैंसर में भी बहुत लाभदायक है।

ये हैं फायदे

आयल पुलिंग से विषैले ट्यूमर का बनना रुक जाता है और धीरे धीरे रोग समाप्त हो जाता है। इसके परिणाम से आंखों के नीचे काले घेरे मिट जाते हैं और ताजगी, स्फूर्ति, शक्ति, स्मरणशक्ति, बढ़ जाती है।

इंटरेस्टिंग फैक्ट

ब्रेन के हुनर की वजह से यात्रा के दौरान आती है मितली...

बस या कार में यात्रा करते हुए जी मचलना या उल्टी आना, ऐसी परेशानी बहुत लोगों को होती है। असल में ऐसा मस्तिष्क के जबरदस्त हुनर के चलते होता है। बस, कार, विमान या पानी के जहाज में यात्रा करने के दौरान शरीर और मस्तिष्क के बीच एक असमंजस की स्थिति बन जाती है। यात्रा के दौरान दिमाग को ऐसा लगता है जैसे शरीर में जहर फैल रहा है। जान बचाने के लिए मस्तिष्क हरकत में आता है। जी मचलने लगता है और उल्टी सी आने लगती है। इस तरह दिमाग शरीर से विषैले तत्वों को बाहर करने की कोशिश करता है। लेकिन दिमाग को ऐसे संकेत मिलते क्यों हैं? इसका कारण समझाते हुए डॉक्टर कहते हैं कि यात्रा के दौरान सीट पर बैठा इंसान स्थिर होता है लेकिन कान लगातार गति की आवाज मस्तिष्क तक पहुंचा रहे होते हैं। कान, दिमाग को बताते हैं कि हम गतिशील है। एक तरफ स्थिर शरीर होता है तो दूसरी तरफ गति से जुड़ी जानकारी। ऐसी परस्पर विरोधाभासी जानकारी मिलने पर मस्तिष्क को लगने लगता है कि कुछ गड़बड़ हो रही है।

कान के भीतर बैलेंस सेंसर

अगर आप पानी के जहाज में बैठे हैं और बाहर सब एक समान है तो आपकी आंखें गति की जानकारी नहीं देती हैं, लेकिन हमारे कानों में द्रवीय पदार्थ होते हैं जो भौतिक विज्ञान के सिद्धांतों पर चलते हैं। गति के दौरान ये द्रवीय पदार्थ गतिमान होते हैं। ऐसी स्थिति में मस्तिष्क को कई तरह के सिग्नल मिलते हैं। मांसपेशियां और आंखें बता रही होती हैं कि हम स्थिर हैं और कान के बैलेंस सेंसर कह रहे होते हैं कि हम गतिमान हैं। ये दोनों विरोधाभासी संकेत सही नहीं हो सकते। दिमाग को पता चल जाता है कि कुछ गड़बड़ है। लाखों साल के क्रमिक विकास के दौरान दिमाग यह सीख चुका है कि ऐसी गड़बड़ तभी होती है जब शरीर के भीतर विषैले तत्व आ जाएं। उनसे निपटने के लिए ब्रेन तुरंत हरकत में आता है और मितली सी आने लगती है या उल्टी होने लगती है।

कैसे बचें

यात्रा के दौरान आगे तरफ देखते हुए अगर आंखें खुली रखी जाएं तो काफी आराम मिलता है। असल में ऐसा करने से दिमाग को पता चलता है कि हम गतिमान हैं और वह इस तथ्य को स्वीकार कर लेता है और बचाव की मुद्रा में नहीं आता है। आम तौर पर बच्चों या कम सफर करने वालों को ऐसी समस्या सबसे ज्यादा होती है। बच्चों का दिमाग विकास कर रहा होता है, वह यात्रा करने का आदी नहीं होता, इसीलिए बचपन में ऐसी तकलीफ ज्यादा होती है लेकिन धीरे धीरे उम्र बढ़ने और यात्रा के बढ़ते अनुभव के साथ मस्तिष्क इसे समझ जाता है और तालमेल बैठा लेता है।

समाजशास्त्र में बेहतर करियर ...

मानव समाज के अध्ययन को समाजशास्त्र कहते हैं। भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार पूरी दुनिया में मनुष्य की सामाजिक संरचना बदल जाती है। हर समाज की अलग- अलग परंपराएं होती हैं। आधुनिकीकरण और बढ़ती सामाजिक जटिलताओं के कारण अब समाजशास्त्र के अंतर्गत चिकित्सा, सैन्य संगठन, जन संपर्क और वैज्ञानिक ज्ञान का भी अध्ययन किया जाता है। आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रणालियों सहित समाजशास्त्र की शुरुआत भी पश्चिमी देशों से ही हुई। समाजशास्त्र, समाज में रहने वाले लोगों से जुड़ा हुआ विषय है। सीधा समाज से जुड़ा होने के कारण आज के दौर में इसका बड़ा महत्त्व है। मौजूदा दौर में इसकी तुलना एमबीए से की जाती है। इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह विषय न केवल साधारण है बल्कि रोचक भी है। समाज की जीवन में अहम भूमिका है और इसी समाज का अध्ययन इस विषय में किया जाता है। यही वजह है कि इस विषय का इतना महत्त्व है।

शैक्षणिक योग्यता

समाजशास्त्र में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए कला संकाय में स्नातक होना आवश्यक है। इसके साथ सोशल साइंस, पोलिटिकल साइंस, इंटरनेशनल रिलेशन, साइकोलॉजी और ह्यूमेनिटी का व्यावहारिक ज्ञान होना जरूरी है। पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद इसमें पीएचडी की जा सकती है।

समाज शास्त्र का इतिहास

ऐसा माना जाता है कि 14वीं शताब्दी के उत्तर अफ्रीकी अरब विद्वान इब्न खल्दून प्रथम समाजशास्त्री थे, जिन्होंने सामाजिक एकता और सामाजिक संघर्ष के वैज्ञानिक सिद्धांतों को पहली बार उजागर किया। एक विषय के रूप में समाजशास्त्र की शुरुआत सबसे पहले 1890 में अमरीका के कंसास विश्वविद्यालय में हुई। 1891 ई. में कंसास विश्वविद्यालय में इतिहास और समाजशास्त्र विभाग की स्थापना की गई। समाजशास्त्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग 1895 में शुरू हुआ। 1905 में सारी दुनिया के पेशेवर समाजशास्त्रियों के संगठन की स्थापना हुई। एक विषय के रूप में समाशास्त्र सर्वप्रथम 1890 में अमरीका के कंसास विश्वविद्यालय में पढ़ाया गया।

क्यों खास है समाजशास्त्र

मनुष्य एक समाजिक प्राणी है। बिना समाज के मनुष्य जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। इस वजह से समाज का महत्त्व बढ़ा है और जरूरत बढ़ी है समाजशास्त्र की। समाजशास्त्र यह जानने के लिए जरूरी है कि जिन परिस्थितियों में हम रह रहे हैं, उनकी विसंगतियों को कैसे दूर किया जाए। इस तरह यह अपने पारंपरिक मूल्यों व बाहरी दुनिया के बीच संतुलन बनाने तथा व्यक्तिगत व सार्वजनिक क्रियाओं को पूरा करने का विवेक भी देता है। एक तरह से कहा जाए तो सभी तरह की नीतियों और रणनीतियों का संबंध मानव जीवन की उन्नति से जुड़ा होता है। इसलिए करियर के लिहाज से इस विषय का महत्त्व स्वता ही बढ़ जाता है। मानव सभ्यता, संस्कृति, सोसायटी, जातीयता और सामाजिक संगठन आदि की जानकारी से हम अपने वर्तमान को अधिक बेहतर बना सकते हैं।

रोजगारपरक है विषय

देश में नए उद्योग, विद्युत प्रोजेक्ट और सीमेंट कारखाने लग रहे हैं। यहां पर इस विषय के जानकारों की जरूरत है। यह एक प्रोफेशनल विषय है। यदि आपको नौकरी नहीं करनी है तो आप एनजीओ बनाकर समाजसेवा कर सकते हैं। कंपनियां जहां अपना प्रोजेक्ट लगाती हैं, वहां श्रमिकों के पुनर्वास के लिए योजना बनाने के लिए समाजशास्त्रियों की मदद लेती हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य को देखते हुए यह करियर ज्यादा रोजगारपरक है। स्कूलों और कालेजों में इस विषय की काफी डिमांड होने से इस का महत्त्व बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा कई गैर सरकारी संगठन भी हैं, जिनमें समाजशास्त्रियों की बहुत डिमांड रहती है।

रोजगार के अवसर

आज दुनिया में हजारों की संख्या में स्वयंसेवी संस्थाएं, मानवीय, सामाजिक, पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान में जुटी हुई हैं और इसी कारण संस्थानों को बड़ी संख्या में ऐसे लोगों की आवश्यकता है, जिनमें न केवल सेवा का जज्बा हो, अपितु संबंधित क्षेत्र की जानकारी भी हो। अंतरराष्ट्रय स्तर पर काम करने वाली संस्थाएं जैसे यूनीसेफ, रेडक्रॉस तो हर वर्ष समाजशास्त्र एवं समाज कार्य में विशेषज्ञों की खोज में बड़े-बड़े शहरों में सेमिनार का आयोजन करती हैं। इन संस्थाओं में निदेशक, प्रोग्राम आफिसर, टीम लीडर जैसे उच्च पदों पर अच्छे वेतनमान के साथ नियुक्ति दी जाती है। इसके अलावा अन्य कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां छात्रों को को.आर्डिनेटर, सर्वे आफिसर या पब्लिक रिलेशन आफिसर जैसे उच्च पदों पर कार्य करने का मौका मिलता है। अपराध विज्ञान और सुधारात्मक प्रशासन में विशेषज्ञता रखने वाले सामाजिक कार्यकर्ता, जेल, सुधारगृहों, बालगृहों जैसे स्थानों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

शिक्षण संस्थान

- बरकतउल्ला विश्व विद्यालय भोपाल
- देवी अहिल्या विवि इंदौर
- हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला
- पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
- कर्नाटक यूनिवर्सिटी हुबली,धरवाड़ (कर्नाटक)
- जम्मू यूनिवर्सिटी, जम्मू
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र

विभिन्न कोर्सेज

अप्लाइड सोशोलॉजी
सोशोलॉजी ऑफ रिलीजन
इकॉनोमिक सोशोलॉजी
पोलिटिकल सोशोलॉजी
सोशोलॉजी ऑफ किनशिप

समाजशास्त्र के उद्देश्य

- सामाजिक जीवन में आ रहे परिवर्तनों की पहचान करना।
- समाज से अंधविश्वास एवं नकारात्मक सोच को दूर करने का प्रयास
- समाज विशेषताओं की पहचान कर मानवता को एकसूत्र में बांधने का प्रयास

रेसिपी

मलाई कोफ्ता

सामग्री

कोफ्ता सामग्री: 200 ग्राम उबले आलू, 200 ग्राम पनीर, 1/2 चम्मच लाल मिर्च, 100 ग्राम मकई आटा, 1/2 चम्मच गरम मसाला, 1 चम्मच नमक, 1 चम्मच धनिया, 1/2 चम्मच हरी मिर्च, काजू, **ग्रेवी सामग्री:** 50 मि.ली. जैतून तेल, 4 लौंग, 1 इलायची और दालचीनी, 3/4 चम्मच काली मिर्च, 1 चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट, 150 ग्राम प्याज, गरम मसाला, 1 चम्मच लाल मिर्च, 1/2 चम्मच हल्दी, 100 ग्राम काजू, 100 ग्राम टमाटर, 50 मि.ली. जल, 50 मि.ली. दही, 1 चम्मच हरी मिर्च, 100 मि.ली. टमाटर, 50 मि.ली. क्रीम

विधि

एक बर्तन में उबले आलू,पनीर,लाल मिर्च पाउडर, मकई का आटा, गरम मसाला,नमक,धनिया, हरी मिर्च आदि को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। तैयार किए मिश्रण का एक छोटा सा हिस्सा लेकर इसको कोफ्ते का आकार दें और सुनहरा भूरा होने तक भून लें। फिर इसे निकालकर कागज पर रख लें। अब एक पैन में जैतून का तेल डालकर गर्म कर लें और इसमें लौंग, बड़ी इलायची, दालचीनी, हरी इलायची, काली मिर्च डालकर कर चलाएं। इन रंग सुनहरा होने तक इसमें अदरक और लहसुन का पेस्ट, प्याज डालें। फिर इसमें नमक, गरम मसाला,लाल शिमला मिर्च,चम्मच हल्दी पाउडर डाल कर मिक्स कर लें। इसके बाद काजू,टमाटर और पानी डालकर 5 मिनट तक पकने दें। जब तक यह सामग्री अच्छे से मिक्स हो जाए इसको ब्लेंड कर दें। अब एक पैन लेकर उसमें जैतून का तेल डालकर हरी मिर्च, टमाटर प्यूरी को भूनें। इसके बाद पेन में पानी डालकर 5-10 मिनट के लिए पकने दें। इसमें ताजा क्रीम और तले हुए कोफ्ते अच्छी तरह से मिश्रित करें। मलाई कोफ्ता तैयार होने के बाद इसको धनिया के साथ गार्निश करें।

मिनी अनियन समोसा

सामग्री

आटे के लिए: 1/2 कप मैदा, 1 स्पून तेल, नमक स्वादअनुसार, **भरवां मिश्रण के लिए:** 1 कप प्याज, 2 किलो तेल, 1/2 स्पून ज़ीरा, नमक स्वादअनुसार, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 स्पून गरम मसाला, 1/2 स्पून अमचुर, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 2 स्पून कटा हुआ हरा धनिया, 1 स्पून बेसन, **अन्य सामग्री:** तलने के लिए तेल , परोसने के लिए: टमैटो कैचप, हरी चटनी

विधि

आटे के लिए: सभी सामग्री को एक गहरे बाउल मे डालकर ज़रुरत मात्रा में पानी का प्रयोग कर सख्त आटा गूंथ लें। एक तरफ रख दें। **भरवां मिश्रण के लिए:** एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और जीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, प्याज और नमक डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भून लें। आंच से हटाकर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, अमचुर, हल्दी पाउडर, धनिया और बेसन डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। आटे को नरम होने तक गूथ लें और 20 भाग में बांट लें। आटे के एक भाग को 75 मिमी। अंडाकार में बेल लें। गोले को चाकू से 2 भाग में तिरछा काट ले। एक भाग को निकालकर कोन के आकार में मोड़कर पानी से चिपका लें। कोन को 1 टी-स्पून भरवां मिश्रण से भरे और किनारों पर थोड़ा पानी लगाकर चिपका लें। बचे हुए आटे और भरवां मिश्रण का प्रयोग कर 19 और मिनी समोसे बना लें। एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई मे तेल गरम करें, समोसे डालकर, मध्यम आंच पर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल ले। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। टमैटो कैचप और हरी चटनी के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**